दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 53/ अंक 125
पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10
भोपाल
बुधवार 13 दिसंबर 2023
भोपाल से प्रकाशित

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
dainiksandhyaprakash.in

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

पीएम मोदी, गृहमंत्री शाह, भाजपा अध्यक्ष नड्डा सहित कई मुख्यमंत्रियों, केंद्रीय मंत्रियों की उपस्थित में शपथ समारोह

मोहन यादव ने ली मुख्यमंत्री की शपथ

जगदीश देवड़ा-राजेन्द्र शुक्ल बने उप मुख्यमंत्री

भोपाल। मध्यप्रदेश के नए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज पद और गोपनीयता की शपथ ली। वे मप्र के 20वें मुख्यमंत्री हैं। समारोह भोपाल के मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में हुआ। जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ल ने डिप्टी सीएम के रूप में शपथ ग्रहण की। **राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने सभी को शपथ दिलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, ज्योतिरादित्य सिंधिया, निवृत्तमान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा, पूर्व केंद्रीय मंत्री नरेंद्र तोमर एवं प्रहलाद सिंह पटेल समेत 11 राज्यों के मुख्यमंत्री इस समारोह में शामिल हुए।** फिलहाल, कोई और विधायक ने मंत्री पद की शपथ नहीं ली है। कार्यक्रम 10 मिनट का रहा। शपथ लेने से पहले मोहन यादव ने कहा, सभी को साथ लेकर चलूंगा और सुशासन सुनिश्चित करूंगा। शपथ समारोह में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, पूर्व राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी, प्रदेश के गृहमंत्री डा. नरोत्तम मिश्रा सहित अनेक नेता मौजूद रहे।

उपाध्याय एवं मुखर्जी की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया

प्रदेश के नव निर्वाचित मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने बुधवार को प्रदेश कार्यालय में पं. दीनदयाल उपाध्याय जी एवं डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया। मोहन यादव को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का करीबी माना जाता है और उन्हें शीर्ष पद के दावेदार के रूप में नहीं देखा जा रहा था। वह अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदाय से आते हैं, जिनकी संख्या राज्य की जनसंख्या में 48 प्रतिशत से अधिक है। सोमवार को मुख्यमंत्री नामित होने के बाद यादव ने राज्यपाल मंगूभाई पटेल से मुलाकात की और अगली सरकार बनाने का दावा पेश किया।

दिल्ली से तय होंगे मंत्रिमंडल के चेहरे

भोपाल। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री और उप-मुख्यमंत्रियों की शपथ के बाद अब मोहन मंत्रिमंडल के चेहरों की तलाश शुरू हो गई है. खबर है कि कैबिनेट के चेहरों का चयन दिल्ली हाईकमान से ही होगा. मुख्यमंत्री मोहन यादव, प्रदेश संगठन और दिल्ली हाईकमान से सलाह-मशिवरा और सहमति के बाद मंत्रियों के नाम तय करेंगे।
मुख्यमंत्री पद का कार्यभार संभालने के बाद सीएम मोहन यादव मंत्रीमंडल के नाम तय करेंगे. लेकिन इससे पहले मोहन यादव और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा जल्द ही दिल्ली जाएंगे और मंत्रियों के नाम को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और जेपी नडडा से सलाह-मशवरा करेंगे.ताया जा रहा है कि मोहन मंत्रिमंडल में नए चेहरों को अधिक तबज्जों मिल सकती है. इसमें पहली और दूसरी बार के विधायक भी शामिल हो सकते हैं. साथ ही अनुभवी नेताओं के साथ पुराने चेहरे भी मोहन कैबिनेट में शामिल होंगे. मुख्यमंत्री मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा जल्द ही दिल्ली के लिए रवाना हो सकते हैं।

शिवराज बोले-जस की तस धर दीनी चदरिया...

शिवराज सिंह चौहान ने कहा, मुझे विश्वास है कि नए मुख्यमंत्री राज्य में समृद्धि, विकास और जन कल्याण को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। मित्रो, अब विदा। जस की तस धर दीनी चदरिया...। यह कबीर दास जी का दोहा है। वे कहते हैं, दास कबीर जतन करि ओढ़ी, ज्यों कीं त्यों धर दीनी चदरिया॥

यादव ने कहा होगा विक्रमादित्य सा शासन...

मध्य प्रदेश के नए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शपथ ग्रहण समारोह से पूर्व मध्य प्रदेश में शीर्ष पद की जिम्मेदारी सौंपने के लिए बीजेपी के सभी आलाकमान को उन्होंने धन्यवाद दिया. मोहन यादव ने कहा, मुझे मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी देने के लिए मैं पार्टी आलाकमान का आभारी हूं. यह बीजेपी का चरित्र है जो मेरे जैसे छोटे से कार्यकर्ता को भी अवसर देता है. मैंने इस जिम्मेदारी को सेवक की तरह लिया है. मैं विक्रमादित्य की नगरी से आता हूं और उन्हीं के शासनकाल को हम पुन-से जीवंत करने की कोशिश करेंगे. मैं जनता की सेवा की दिशा में कार्य करूंगा. मैं सभी को साथ लेकर चलूंगा और सुशासन सुनिश्चित करूंगा। शपथ ग्रहण समारोह को लेकर मोहन यादव ने कहा कि आज सीएम पद के लिए शपथ ग्रहण समारोह है. इसमें 11 राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल होंगे। यह मेरे लिए बहुत अधिक सौभाग्य की बात होगी कि अलग-अलग राज्यों के यशस्वी मुख्यमंत्री इस समारोह में शामिल होंगे। हमने इंद्र की सभा की कल्पना ही की है और ये इंद्र की सभा की तरह ही होगी।

पांच बजे होगी कैबिनेट मीटिंग

नए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शाम चार बजे मंत्रालय के सभी अफसरों की बैठक बुलाई है। इसके बाद पांच बजे कैबिनेट बैठक होगी। केबिनेट की बैठक में अधिकारियों से औपचारिक परिचय होगा। मुख्यमंत्री आचार संहिता के कारण रुके हुए आवश्यक कार्य फिर से शुरू करने को कह सकते हैं।

समारोह में तीन मंच बने, एक पर साधु-संत बैठे

शपथ ग्रहण समारोह में तीन मंच बनाए गए। मुख्य मंच के बीचोंबीच तीन कुर्सियां रखी गई थीं। बीच वाली कुर्सी पर राज्यपाल मंगू भाई पटेल बैठे। उनके दाईं ओर पीएम मोदी और बाईं तरफ मुख्यमंत्री मोहन यादव बैठे। मोहन यादव पीएम की कुर्सी के दाईं तरफ खड़े थे तो मोदी ने हाथ पकड़कर उनसे बैठने को कहा। तीन मंचों में बाईं तरफ के मंच पर करीब एक दर्जन साधु-संत बैठे थे। दाईं तरफ के मंच पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी, ज्योतिरादित्य सिंधिया सहित भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री बैठे थे। इन्हीं कुर्सियों पर नरेंद्र सिंह तोमर, शिवराज सिंह चौहान, प्रहलाद पटेल और राकेश सिंह भी बैठे थे। सांसद से विधायक बनीं रीति पाठक आमजन के बीच बैठी थीं।

नवनियुक्त मुख्यमंत्री मोहन यादव के पिता ने बेटे का शपथ समारोह अपने घर पर बैठकर देखा।

सुरक्षा में बड़ी चूक: लोकसभा की दर्शक दीर्घा से कूदे दो शख्स, सदन में उठता दिखा धुआं...

नई दिल्ली। लोकसभा की सुरक्षा में बड़ी चूक का मामला सामने आया है। संसद के शीतकालीन सत्र में 10वें दिन की कार्यवाही के दौरान जब सांसद शून्यकाल में लोकमहत्व के अविलम्बनीय मुद्दों पर अपनी बातें रख रहे थे, इसी दौरान दर्शकदीर्घा से दो शख्स बारी-बारी से सदन में कूदे। अफरा-तफरी मचने के कारण सदन की कार्यवाही दो बजे तक स्थगित करनी पड़ी। सदन में पीठासीन राजेंद्र अग्रवाल ने कार्यवाही को स्थगित करने की घोषणा की। दोपहर करीब 1.01 मिनट पर यह घटना हुई।

मीडिया में आई खबरों के अनुसार दो शख्स जब गैलरी से कूदे उसी समय सदन में धुआं भी उठा। अफरा-तफरी मचने के बाद सुरक्षाकर्मियों ने दोनों लोगों को पकड़ा। सांसदों ने बताया कि सबसे पहले खुद सांसदों ने दोनों लोगों को पकड़ा, उनकी पिटाई की गई। इसके बाद दोनों को सदन में मौजूद सुरक्षाकर्मियों के हवाले कर दिया गया।

युवक अपने जूते में छिपाकर स्मोक बम लाया था। उसने पीले रंग का धुआं छोड़ा। मैसूर के सांसद प्रताप सिम्हा के जरिए पास बनाकर युवक संसद भवन तक पहुंचा थ। आरोपी युवक का नाम सागर है। जबकि एक महिला और एक युवक ने संसद भवन के बाहर प्रदर्शन किया। युवक का नाम अमोल शिंदे है जो महाराष्ट्र के रहने वाला है। युवती की पहचान नीलम के रूप में की गई है जो हरियाणा की रहने वाली है। तीनों से पूछताछ जारी है। खास बात ये है कि आज ही संसद पर आतंकी हमले की 22वीं बरसी है। 21 साल पहले आतंकियों ने आज ही पुराने संसद भवन पर आतंकी हमला किया था।

मोदी की गारंटी पर देश को भरोसा है : रामेश्वर शर्मा

विकसित भारत संकल्प यात्रा को लेकर जिला पंचायत कार्यालय में विधायक ने ली बैठक

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जन-जन पहुंचाने व लाभान्वितों को जोड़ने के उद्देश्य से केन्द्र सरकार द्वारा पूरे देश में विकसित भारत संकल्प यात्रा निकाली जा रही है। इस यात्रा के माध्यम से केन्द्र सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि तय समय सीमा के अंदर सरकार की सभी जनहितैषी योजनाओं का देश के शत-प्रतिशत लक्षित समूह को पहुंचे। इसी तारतम्य में मंगलवार को हुजूर विधानसभा के विधायक रामेश्वर शर्मा ने भोपाल जिला पंचायत कार्यालय में केन्द्र सरकार के महत्वकांक्षी अभियान विकसित भारत संकल्प यात्रा के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित जनों को निर्देश देते हुए यात्रा से ज्यादा से ज्यादा संख्या में आमजन को जोड़ने की बात कही। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष प्रमोद राजपूत, एसडीएम आशुतोष शर्मा, एसडीएम कोलार आशुतोष गोस्वामी, सीईओ जनपद शंकर पाँसे सहित हुजूर विधानसभा क्षेत्र के जनपद ज़िला पंचायत एवं विभिन्न पंचायतों के सरपंच उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए श्री शर्मा ने कहा कि - प्रधानमंत्री श्रीमान नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश में हर वर्ग के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। ये योजनाएं सीधे तौर पर देश के उन लोगों को फायदा पहुंचा रहीं हैं जो वर्षों तक उपेक्षित समझे गए। आज नरेन्द्र मोदी ने उज्ज्वला, आवास, आ

युष्मान एवं अन्न योजनाओं आदि से देश के हर गरीब, पिछड़े, आवासहीन व्यक्ति को लाभ पहुंचाया है। मोदी जी ने देश की चार बड़ी जातियों - गरीब, किसान, युवा और महिलाओं की उन्नति की गारण्टी दी है। देश का हर नागरिक जानता है कि मोदी जी की हर गारण्टी पूरी होने की भी गारण्टी होती है। इसलिए आज मोदी की हर गारण्टी पर देश को भरोसा है। इन्हीं गारण्टियों को पूरा करने के लिए, सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जन-जन को जोड़ने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा %विकसित भारत संकल्प यात्रा% निकाली जा रही है। हम सबको मिलकर इस यात्रा से हर आमजन को जोड़ना है। ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि केन्द्र की सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदेश की जनता को मिल रहा है।

अशासकीय शिक्षण संगठन ने लिया निर्णय, 5वीं बोर्ड निरस्त करने की करेंगे मांग

पदाधिकारियों ने कहा: 5वीं परीक्षा बोर्ड पैटर्न से विद्यार्थियों को कोई लाभ नहीं

संत हिरदाराम नगर। संत नगर में अशासकीय शिक्षण संस्था संगठन की बैठक संस्कार स्कूल में आयोजित की गई। बैठक में पदाधिकारियों द्वारा कई विषय पर चर्चा की गई, जिसमें 5वीं और 8वीं की बोर्ड परीक्षा पर विचार विमर्श हुआ। इसमें 5वीं बोर्ड को निरस्त करने की मांग भी की गई। पदाधिकारियों ने कहा कि 5वीं परीक्षा बोर्ड पैटर्न पर करने से विद्यार्थियों को कोई भी लाभ नहीं होता दिखाई दे रहा है। जिसे हम पिछले वर्ष के परीक्षा परिणाम के रूप में देख चुके हैं। संस्था के अध्यक्ष डॉ. मेनिस मेथ्यूज ने कहा कि नेशनल एजुकेशन पॉलिसी द्वारा शिक्षा नीति में कई प्रकार के बदलाव किए गए हैं, परंतु 5वीं बोर्ड परीक्षा का बोझ बच्चे वहन नहीं कर पा रहे हैं। इसलिए सचिव माध्यमिक शिक्षा मंडल, जिला शिक्षा अधिकारी एवं जे.डी से पत्र व्यवहार के माध्यम से अवगत कराया जाएगा कि 5वीं बोर्ड परीक्षा को निरस्त किया जाए। संस्था के सचिव बसंत चेलानी ने कहा कि कई वर्षों से विद्यालय को आरटीई फीस का भी भुगतान नहीं किया गया है। पत्र व्यवहार के माध्यम से शिक्षा विभाग को पिछले वर्षों एवं 2022-23 की आरटीई का भुगतान जल्द से जल्द करने हेतु अवगत करवाया जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से संस्था के संरक्षण विष्णु गेहानी, चंदर नागदेव, योगेश हिंगोरानी, कविता ईसरानी, रश्मि अग्रवाल, हर्षिता शास्त्री, जाह्नवी शर्मा, आर.के मिश्रा, आनंद वाधवानी सहित कई उपस्थित थे।

हेयर डाई लगाने से रिएक्शन, कंपनी को देना होगा 15 हजार रुपये हर्जाना

भोपाल। हेयर डाई की गुणवत्ता खराब होने पर जिला उपभोक्ता आयोग ने कंपनी पर 15 हजार रुपये का हर्जाना लगाया है। भोपाल के कोटरा सुल्तानाबाद निवासी राजेश कुमार ने 17 जून 2019 को 50 रुपये में हेयर डाई अमीना हर्बल मेहंदी खरीदा था। उन्होंने पैकेट पर दिए निर्देश के मुताबिक बाल को कलर किया और निर्धारित समय के अनुसार धो लिया। बाल धोने के बाद चेहरे पर सूजन के साथ त्वचा काली पड़ने लगी थी। इसके साथ ही वहां पर खुजली भी होने लगी। उन्होंने दुकानदार से संपर्क किया। दुकानदार ने कहा, इसमें मेरी गलती नहीं है, क्योंकि पैकेट के अंदर का उत्पाद कैसा है, यह कंपनी की जिम्मेदारी है। इसके बाद उन्होंने 2020 में उपभोक्ता आयोग में याचिका लगाई। मामला चार साल तक आयोग में चलता रहा, लेकिन कंपनी की तरफ से कोई भी अपना पक्ष रखने नहीं आया। नौ दिसंबर को अंतिम बार जिला आयोग ने समझौता कराया।

दादाजी धाम मंदिर में निःशुल्क डेंटल चैकअप कैंप 15 को

भोपाल। दादाजी धाम मंदिर रायसेन रोड पटेल नगर में अनंत श्री दादाजी गुरुदेव की पुण्यतिथि के अवसर पर निःशुल्क मुख एवं डेंटल चैकअप कैंप का आयोजन 15 दिसंबर दिन शुक्रवार को दोपहर 1 बजे से दोपहर 3 बजे तक किया जाएगा। ट्रस्ट के अध्यक्ष शिवरतन नामदेव के द्वारा बताया गया कि संयुक्त आयोजन दादाजी गुरुदेव चैरिटेबल ट्रस्ट भोपाल एवं सहगल अस्पताल डॉ रितेश सहगल एवं भोपाल के विशेषज्ञ एवं सहयोगी द्वारा किया जा रहा है सभी लोगों एवं भक्तों से निवेदन है कि समय का ध्यान रखकर आप निःशुल्क मुख एवं डेंटल चैकअप कैंप का लाभ उठाएं।

ऊर्जा बचत एवं संरक्षण तथा सोलर रूफटॉप पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित होगी

भोपाल। म.प्र. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी के तत्वावधान में 14 से 21 दिसम्बर तक समूचे भोपाल क्षेत्र तथा ग्वालियर क्षेत्र में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण सप्ताह मनाया जाएगा। इस सप्ताह के दौरान राजधानी भोपाल सहित सभी स्थानों पर बिजली बचत के संदेश को प्रसारित करने वाले आयोजन होंगे। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी के मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) श्री मेहताब सिंह ने बताया है कि 14 दिसम्बर को भोपाल में गोविन्दपुरा स्थित कंपनी मुख्यालय में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के अवसर पर ऊर्जा संरक्षण संबंधी शपथ कार्मिकों को ग्रहण कराई जाएगी। गोविन्दपुरा स्थित कंपनी के प्रांगण के सभी कार्यालयों के अधिकारी और कर्मचारी एमडी कार्यालय के समक्ष एकत्रित होंगे। इसी प्रकार कंपनी के कार्यक्षेत्र के सभी क्षेत्रीय, वृत्त, संभाग तथा विद्युत वितरण केन्द्रों पर कार्यालय प्रमुख के द्वारा कार्मिकों को ऊर्जा संरक्षण शपथ दिलाई जाएगी। इसी दिन कंपनी के कार्यक्षेत्र के सभी कार्यालयों में ऊर्जा संरक्षण सप्ताह संबंधी बैनर कार्यालय के प्रवेश द्वार पर लगाए जाएंगे। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी ने बताया है कि ऊर्जा संरक्षण सप्ताह के अंतर्गत स्कूली बच्चों की चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। स्कूली बच्चों को चित्रकला प्रतियोगिता के द्वारा ऊर्जा बचत एवं संरक्षण तथा सोलर रूफटॉप के संबंध में चित्र उकेरने का अवसर मिलेगा।

जेपी अस्पताल परिसर में बनेगा रैन बसेरा, बाहर से आने वाले मरीजों के परिजनों को मिलेगी राहत

भोपाल । जेपी अस्पताल शहर का तीसरा सरकारी अस्पताल है, जहां बाहर से आने वाले लोगों के लिए रैन बसेरे की सुविधा होगी। अब तक हमीदिया अस्पताल व एम्स में दूरदराज से आने वाले मरीजों व स्वजन के लिए यह व्यवस्था थी।

अस्पताल प्रबंधन ने इसके बारे में जानकारी देते हुए बताया कि रोजाना जेपी में 70-80 मरीज आकर भर्ती होते हैं। अस्पताल में वार्ड में एक मरीज के साथ एक परिजन के ही रुकने की अनुमति दी जाती है। इसके कारण रात में कई मरीजों के परिजन फर्श व बेंच पर सोते नजर आते हैं। ठंड के मौसम इसके चलते वे भी बीमार हो सकते हैं। इसी को देखते हुए रैन बसेरा बनाने का फैसला लिया गया है।

जेपी अस्पताल प्रबंधन के मुताबिक परिसर में मौजूद हनुमान मंदिर के पास रैन बसेरा बनाना तय किया गया है। इसका प्रस्ताव भी विभाग को भेज दिया गया है। मंजूरी मिलते ही इसका निर्माण शुरू किया जाएगा। नई व्यवस्था का परिजनों को ठंड से बचाने के लिए अलाव जलाया जाएगा। यह व्यवस्था तब तक रहेगी, जब तक शीतलहर का प्रकोप रहेगा। सिविल सर्जन डा. राकेश श्रीवास्तव ने

श्रीहनुमंत कथा के पहले दिन प्रभु राम के जन्मोत्सव की कथा सुनाई

संत हिरदाराम नगर। गांधीनगर स्थित पंचमुखी संकट मोचन हनुमान मंदिर के महंत मोहनदास त्यागी रामजी महाराज की ग्यारहवीं पुण्य स्मृति के अवसर पर तीन दिवसीय श्री हनुमत कथा का शुभारंभ हुआ। तीन दिवसीय संगीतमय भव्य श्री हनुमत कथा चित्रकूट धाम से रामकथा के प्रवक्ता पूज्य वेंकटेश महाराज के सानिध्य में शुरू हुई महाराज ने पहले दिन प्रभु राम जी के जन्म की कथा श्रद्धालुओं को सुनाई। इसके अलावा संकट मोचन भगवान हनुमान जी के बारे में विस्तृत से बताया गया कथा स्थल पर रामजी महाराज की सुपुत्री बाल व्यास निधि किशोरी उपस्थित थी चरणसेवक भरत दास, अध्यक्ष रामलला सहित अन्य सेवाधारी मौजूद थे। धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन संकट मोचन हनुमान मंदिर गांधीनगर में दोपहर 2 बजे से प्रभु इच्छा तक किया जा रहा है कथा में प्रभु राम जी के जन्म से पहले राजा दशरथ के पूरे वंश से अवगत कराया गया।

कलश यात्रा: कथा से पहले प्रमुख मार्गो से कलश यात्रा निकाली गई। जिसमें महिलाएं पीले वस्त्र धारण कर सिर पर कलश रखकर चल रही थी। आगे युवा वर्ग भगवान के भजनों पर नृत्य करते हुए चल रहे थे। कलश यात्रा हनुमान मंदिर से प्रारंभ होकर प्रमुख मार्गो से होती हुई कथा स्थल पहुंची जहां पर कथा प्रारंभ की गई।

विभिन्न मार्गो से धूमधाम से निकली

नगर निगम रैन बसेरों में रात्रि विश्राम करने वालों को उपलब्ध करा रहासुविधाएं

भोपाल। नगर निगम बेहतर से बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं विषेशकर शीत ऋतु में सर्दी से बचाव हेतु रजाई, कंबल की अतिरिक्त व्यवस्था के साथ ही अलाव की व्यवस्था भी की जा रही है। निगम द्वारा रैन बसेरों (आश्रम स्थलों) की व्यवस्थाओं का नियमित रूप से निरीक्षण भी किया जा रहा है और समय-समय पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा भी रैन बसेरों की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया जाता है और रात्रि विश्राम करने वाले जरूरतमंदों से फीडबैक भी लिया जाता है तथा हितग्राहियों की आवश्यकता के अनुरूप व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार भी नियमित रूप से किया जाता है। नगर निगम द्वारा डी.आई.जी बंगला, हलालपुर, कैंसर हॉस्पिटल परिसर, वाजपेयी नगर, महाराणा प्रताप नगर, आई.एस.बी.टी परिसर, नेहरू नगर, यादगार-ए-षाहजहांनी पार्क, हमीदिया अस्पताल परिसर एवं पुतलीघर क्षेत्र में रैन बसेरे (आश्रय स्थल) संचालित हैं। इन रैन बसेरों में जरूरतमंदों को रात्रि विश्राम हेतु रजाई, गद्दे, कंबल के अलावा शुद्ध पेयजल, शौचालय/स्नानागार सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं बेहतर ढंग से उपलब्ध कराई जा रही हैं। निगम द्वारा उपरोक्त व्यवस्थाओं को बेहतर से बेहतर ढंग से उपलब्ध कराने व जरूरतमंदों की सुविधा के दृष्टिगत रैन बसेरों का नियमित रूप से निरीक्षण किया जाता है। निगम के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा भी समय-समय पर इन व्यवस्थाओं का जायजा लिया जाता है और हितग्राहियों से व्यवस्थाओं के संबंध में फीडबैक भी लिया जाता है। निगम का सदैव यह प्रयास रहता है कि आश्रय स्थलों में विश्राम करने वालों को सभी आवश्यक सुविधाएं बेहतर ढंग से उपलब्ध कराई जायें। निगम द्वारा आश्रय स्थलों पर नियमित रूप से साफ-सफाई एवं धुलाई का कार्य किया जाता है तथा मौसम के अनुरूप गर्मी में पंखे, कूलर आदि की व्यवस्था तथा शीत ऋतु में सर्दी से बचाव हेतु अतिरिक्त कंबल, रजाई एवं अलाव आदि की व्यवस्था भी की जाती है।

शादी समारोह के स्टेज से फिर गायब हुआ उपहारों से भरा बैग

भोपाल। शादियों का सीजन शुरू होते ही शहर के मैरिज गार्डनों में चोर गिरोह भी सक्रिय हो गए हैं। दो दिन के अंदर मिसरोद के बाद सोमवार रात खजूरी सड़क इलाके में स्टेज पर रखा हुआ उपहारों से भरा बैग पलक झपकते गायब हो गया। पुलिस के मुताबिक घटना स्थल पर लगे सीसीटीवी खराब होने से वारदात के फुटेज नहीं मिल सके हैं। खजूरी सड़क थाना पुलिस के अनुसार बैरागढ़ निवासी महेश प्रेमचंदानी बैंक में कार्यरत है। सोमवार को उनकी बेटी की शादी ग्राम भौंरी स्थित प्ले होटल में थी। रात 12 बजे तक समारोह में आए अधिकांश मेहमान वापस चले गए थे। इसके बाद महेश व उनका परिवार स्टेज पर वर-वधु के साथ फोटो खिंचवा रहा था। स्टेज पर ही उपहार में मिले लिफाफों से भरा बैग रखा हुआ था। फोटो खिंचवाने के बाद परिवार के लोगों की नजर पड़ी तो देखा कि उपहारों वाला बैग गायब था। आसपास तलाश करने पर भी जब बैग नहीं मिला तो महेश प्रेमचंदानी ने मामले की सूचना पुलिस को दे दी। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ चोरी का प्रकरण दर्ज कर लिया है। बता दें कि मिसरोद थाना इलाके में 11-12 दिसंबर की रात गौरी ग्रीन गार्डन में रविंद्र विजयवर्गीय के परिवार का शादी समारोह था।

हमीदिया में बर्न यूनिट का नया आपरेशन थियेटर कई दिनों से बंद, कर्मचारियों का टोटा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

हमीदिया अस्पताल की 22 के नए आपरेशन थिएटर को बने एक साल से ज्यादा हो गया है, लेकिन अब तक शुरू नहीं हो सका है। जानकारों के मुताबिक इस ओटी को शुरू करने के लिए स्टाफ की कमी है। मामले को लेकर अब चिकित्सा शिक्षा विभाग और अस्पताल प्रबंधन आमने-सामने हो गए हैं। चिकित्सा शिक्षा विभाग का कहना है कि ओटी के लिए जरूरी स्टाफ की जानकारी अस्पताल प्रबंधन को दे दी है। वहीं प्रबंधन का तर्क है कि विभाग ने सिर्फ निचला स्टाफ मांगा था, जो उन्हें मुहैया करा दिया गया है। इस खींचतान का असर मरीजों पर पड़ रहा है।

झुलस कर आने वाले मरीजों की सर्जरी और ड्रेसिंग पुरानी ओटी में हो रही है। इससे संक्रमण का खतरा है। यूनिट को अपग्रेड करने केंद्र सरकार से 2.25 करोड़ मिला है। यूनिट अपग्रेड होने के बाद भी कभी बिजली बैकअप तो कभी सेंट्रल एसी(एयर कंडीशनर) की परेशानी से यूनिट के इस हिस्से का उपयोग नहीं हो पाया। करीब एक साल पहले लिखे गए पत्र में 12 पैरामेडिकल स्टाफ, 12 नर्सिंग स्टाफ, 4 मेडिकल आफिसर, एक सर्जन, 2 एनेस्थेटिस्ट और एक डाटा एंट्री आपरेटर की मांग की थी। बावजूद हमीदिया अस्पताल प्रबंधन की ओर से सिर्फ एक ओटी टेक्नीशियन ही दिया गया है। डा.आशीष गोहिया, अधीक्षक हमीदिया का कहना है जिस संबंध में बात की जा रही है, उसकी जानकारी उनको नहीं है, हां बर्न यूनिट के लिए निचला स्टाफ मांगा गया था, जो उन्हें दे दिया गया है।

सफाई व्यवस्था और अधिक चुस्त-दुरूस्त बनाए: सूर्यवंशी

विशेष सफाई अभियान के तहत निगम अध्यक्ष ने नागरिकों से स्वच्छता संवाद कर किया आह्वान

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने नागरिकों से आह्वान किया है कि अपने शहर को क्लीन भोपाल-ग्रीन भोपाल बनाएं रखें। सूर्यवंशी ने यह आह्वान विशेष सफाई अभियान के तहत राहुल नगर मल्टी क्षेत्र में नागरिकों से स्वच्छता संवाद करते हुए किया। इस दौरान सूर्यवंशी ने स्वयं भी स्वच्छता हेतु श्रमदान किया एवं अन्य लोगों को भी स्वच्छता हेतु प्रेरित किया साथ ही निगम अधिकारियों को भी साफ-सफाई व्यवस्था और अधिक चुस्त-दुरूस्त बनाने हेतु निर्देशित किया। निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने विशेष सफाई अभियान के तहत राहुल नगर बहुमंजिला आवासीय क्षेत्र में विशेष साफ-सफाई अभियान के तहत स्वच्छता हेतु श्रमदान किया और नागरिकों को भी स्वच्छता कार्य में सहयोग हेतु प्रेरित किया। सूर्यवंशी ने स्थानीय नागरिकों से स्वच्छता संवाद किया तथा पी.ए. सिस्टम के माध्यम से भी स्वच्छता हेतु प्रेरित किया और आह्वान किया कि अपने शहर को क्लीन भोपाल-ग्रीन भोपाल बनाए रखने में सहयोग करें। निगम अध्यक्ष सूर्यवंशी ने विभिन्न क्षेत्रों साफ-सफाई व्यवस्था का भी जायजा लिया और साफ-सफाई व्यवस्था को और अधिक चुस्त-दुरूस्त बनाने के निर्देश निगम अधिकारियों को दिए।

13 दिसम्बर, 2023 । मोतीलाल नेहरू स्टेडियम, भोपाल

सम्पादकीय

नई भारतीय न्याय संहित और आतंकवाद

मगलवार का ससद पश ाकए गए नए आपराधक कानूना में पहली बार आतंकवाद यानी टेरर एक्ट के लिए अलग से प्रावधान है। इसमें कहा गया है कि अगर कोई शख्स भारत की आर्थिक स्थिरता और सुरक्षा को खतरा पैदा करता है और इसके लिए जाली नोट या सिक्के स्मगल करता है, बनाता या इनका प्रसार करता है तो वह आतंकवादी करतूत माना जाएगा।

भारतीय न्याय संहिता विधेयक, 2023 यानि बीएनएस के संशोधित कानून में आतंकवाद के कृत्यों से निपटने वाली धारा 113 में संशोधन किया गया है। इसका उद्देश्य बीएनएस को यूएपीए के प्रावधानों के अनुरूप लाना है। इसमें आतंकवादी कृत्य की परिभाषा में बदलाव किया गया है, जिसमें देश की आर्थिक सुरक्षा और मौद्रिक स्थिरता पर हमले शामिल हैं। हालांकि, आम जनता को धमकाने या सार्वजनिक व्यवस्था को बाधित करने को अब आतंकवादी कृत्य नहीं माना जाएगा।

भारतीय न्याय संहिता विधेयक की धारा 113(1) में प्रावधान है कि अगर कोई व्यक्ति ऐसी मंशा या हरकत करता है, जिससे देश की संप्रभुता, एकता, अखंडता को नुकसान या खतरा पैदा होता है या आतंकी घटना की मंशा रखता हो, आतंकी हमले करता हो, इसके लिए बम, हथियार, केमिकल, बॉयोलॉजिकल और जहर आदि का इस्तेमाल करता हो, जिससे जान-माल का नुकसान हो तो ऐसे मामले में दोषी शख्स को उम्रकैद या फांसी की सजा हो सकती है।

भारतीय न्याय संहिता विधेयक की धारा 113(5) में कहा गया है कि अगर कोई शख्स भारत की रक्षा परिसंपत्ति को नुकसान पहुंचाता हो या अन्य तरह की सरकार की ऐसी संपत्ति को नुकसान पहुंचाता हो तो वह आतंकवाद यानी टेरर एक्ट माना जाएगा। इसी कानून की धारा 113(बी) में कहा गया- अगर कोई संवैधानिक पद पर बैठे या पब्लिक फंक्शनरी पर हमला करता है या अगवा करता है या ऐसी मंशा रखता है तो ऐसे मामले को भी टेरर एक्ट माना जाएगा। इससे मौत होने पर उम्रकैद और फांसी की सजा का प्रावधान है।

भारतीय न्याय (द्वितीय) संहिता विधेयक में आतंकवाद की परिभाषा में अब अन्य परिवर्तनों के साथ-साथ आर्थिक सुरक्षा शब्द भी शामिल है। इस बदालाव में कहा गया है, जो कोई भी भारत की एकता, अखंडता, संप्रभुता, सुरक्षा या आर्थिक सुरक्षा को धमकी देने या खतरे में डालने की नीयत के साथ या भारत या किसी दूसरे देश में लोगों में या लोगों के किसी भी वर्ग में आतंक फैलाने की नीयत के साथ कोई कार्य करता है...। भारतीय न्याय (द्वितीय) संहिता विधेयक में विभिन्न आतंकवादी कृत्यों के लिए प्रस्तावित 5 लाख रुपये से 10 लाख रुपये तक के जुर्माने को हटा दिया गया है। अब जुर्माने की राशि अदालतें तय करेंगी। इतना ही नहीं, इससे उस प्रावधान को भी हटा दिया है जिसमें एक ऐसे आतंकवादी को पैरोल का लाभ देने से इनकार किया गया था जो किसी ऐसे अपराध में शामिल है, जिसके परिणामस्वरूप किसी पीड़ित की मृत्यु हुई है और जिसे मृत्युदंड या आजीवन कारावास से दंडित किया जा सकता है।

मूल बीएनएस विधेयक में आतंकवादी कृत्य करने वाले पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाने का प्रस्ताव था। वहीं, अन्य मामलों में 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाने का प्रस्ताव था, जिसमें आतंकवादी साजिश से संबंधित मामले, आतंकवादी संगठन का सदस्य होना, किसी आतंकवादी को शरण देना और आतंकवादी गतिविधियों से अर्जित संपत्ति रखना शामिल है।

इसी तरह मूल विधेयक में सरकारी कर्मचारियों को डराने-धमकाने को शामिल किया गया था। उसमें कहा गया था कि किसी सरकारी कर्मचारी की मृत्यु होने या उसे चोट लगने की आशंका हो या मारने की धमकी देकर सरकारी कर्मी को कोई कार्य करने या करने से रोकने के लिए बंधक बनाया जाए या अपहरण किया जाए तो वह अपराध होगा। नए विधेयक में इन प्रावधानों को आपराधिक जोर-जबर्दस्ती के दम पर किसी सरकारी कर्मी की मृत्यु का कारण बनने और किसी व्यक्ति को हिरासत में लेने, अपहरण करने या बहला-फुसलाकर भगा ले जाने और भारत सरकार, राज्य सरकार या किसी विदेशी सरकार या किसी अंतरराष्ट्रीय या अंतर सरकारी संगठन को मारने या घायल करने की धमकी देने के रूप में फिर से तैयार किया गया है।

अपडेटेड बीएनएस बिल के सेक्शन 113 में कही गई बातें यूएपीए की धारा 15 से धारा 21 के तथ्यों के ही करीब है। विधेयक स्पष्ट करता है कि बीएनएस की धारा 111 या यूएपीए के तहत मामला दर्ज करने का निर्णय पुलिस अधीक्षक (एसपी) के पद से नीचे के अधिकारी नहीं लेंगे। सभी प्रकार के आतंकवादी कृत्यों के लिए अधिकतम और न्यूनतम सजा को बरकरार रखते हुए नए बीएनएस बिल में आतंकवादी प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने और किसी व्यक्ति को आतंकवादी कृत्य के लिए भर्ती करने के लिए जुर्माने के साथ कम से कम पांच साल और अधिकतम आजीवन कारावास तक की सजा का अलग से उल्लेख किया गया है।

विधेयक में धारा 73 में बदलाव किए गए हैं, जिससे अदालत की ऐसी कार्यवाही प्रकाशित करना दंडनीय हो जाएगा जिसमें अदालत की अनुमति के बिना बलात्कार या इसी तरह के अपराधों के पीड़ितों की पहचान उजागर हो सकती है। धारा 73 में अब कहा गया है, जो कोई भी अदालत की पूर्व अनुमति के बिना धारा 72 में निर्दिष्ट अपराध के संबंध में अदालत के समक्ष किसी भी कार्यवाही के संबंध में किसी भी मामले को प्रिंट या प्रकाशित करेगा, उसे एक अवधि के लिए जेल की सजा दी जाएगी। इसे दो साल तक बढ़ाया जा सकता है और जुर्माना भी लगाया जा सकता है।

अभी ये बदलाव लाये गये हैं, इन्हें लागू भी किया जा रहा है, लेकिन जमीनी तौर पर इसमें काफी कठिनाई आएगी। सबसे पहले तो थानों और अदालतों में इसका विस्तृत ब्यौरा पहुंचाना होगा। कानून की पढ़ाई में शामिल किताबों में परिवर्तन करना होगा। कुल मिलाकर अभी इसमें काफी समय लगेगा। साथ ही कानून के जानकार इसका विश्लेषण भी करेंगे, सामाजिक संगठनों का अपना नजरिया होगा। लेकिन भारतीय न्याय संहिता का नया स्वरूप आ गया है, यही लागू होगा।

वादों पर इनके लुटा, मतदाता बेचारा

राकेश दुबे

देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बहुत मार्के की बात कही है कि समाज में जिस तथाकथित मुफ्त उपहार की 'अंधी दौड़' देखने को मिल रही है, उसकी राजनीति खर्च करने संबंधी प्राथमिकताओं को विकृत कर देती है। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव और आगामी लोकसभा चुनाव के परिप्रेक्ष्य इसे देखा और समझा जाना चाहिए । इन दिनों गारंटी शब्द इतना लोकप्रिय हो रहा है कि इस बार भाजपा ने तो 'मोदी की गारंटी' नाम का जुमला ही बना लिया है।

सिर्फ़ भाजपा ने ही नहीं, कांग्रेस ने चार राज्यों में और तेलंगाना में बीआरएस ने भी गारंटियों की झड़ी लगा दी। इन वादों में एलपीजी सिलेंडर रिफिल पर भारी सब्सिडी, स्त्रियों को हर महीने धनराशि वगैरह-वगैरह शामिल हैं। इस साल मई में हुए कर्नाटक विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस को मिली सफलता के पीछे 'पांच गारंटियों' की बड़ी भूमिका थी। पार्टी ने अपने चुनावी घोषणापत्र में गृह ज्योति, गृह लक्ष्मी, अन्न भाग्य, युवा निधि एवं शक्ति की पांच गारंटियां दी थीं।

गृह ज्योति के तहत 200 यूनिट निःशुल्क बिजली, गृह लक्ष्मी में परिवार की मुखिया को दो हजार रुपये, अन्न भाग्य में दस किलोग्राम अनाज, युवा निधि में बेरोजगार स्नातकों को तीन हजार और डिप्लोमाधारियों को डेढ़ हजार रुपये महीने, शक्ति योजना के तहत महिलाओं को राज्यभर में सरकारी बसों में निःशुल्क यात्रा की सुविधा की गारंटी थी।

मोदी सरकार ने अगले पांच वर्षों के लिए 80

करोड़ लोगों को मुफ्त राशन देने की घोषणा करके 'पोस्टडेटेड' चेक की भाँति 'पोस्टडेटेड' गारंटी दी है, यह मानते हुए कि 2024 में सरकार उनकी ही आएगी। यह योजना पहली बार अप्रैल, 2020 में महामारी के दौरान तीन महीने के लिए शुरू की गई थी। फिर इसे छोटी-छोटी अवधियों के लिए बढ़ाया गया। अब इसे एकमुश्त पांच साल के लिए बढ़ाने से एक बात की पुष्टि हुई है कि ये गारंटियां चुनावी सफलता की गारंटी हैं।

कोई कह सकता है कि इन गारंटियों में हर्ज ही क्या है? जनता का पैसा कल्याणकारी योजनाओं पर ही तो लग रहा है। हाल ही के वर्षों में केंद्र और राज्यों के राजस्व में काफी वृद्धि हुई है। फिर भी उनके पास इतने संसाधन नहीं हैं कि वे इस मुफ्तखोरी को लंबे समय तक चला सके। भारत के रिजर्व बैंक ने पिछले साल अपनी एक रिपोर्ट में कहा था कि राज्य सरकारें मुफ्त की योजनाओं पर जमकर खर्च कर रही हैं, जिससे वे कर्ज के जाल में फंसती जा रही हैं। 'स्टेट फाइनेंसेस: अ रिस्क एनालिसिस' शीर्षक रिपोर्ट के अनुसार, पंजाब, राजस्थान, बिहार, केरल और पश्चिम बंगाल कर्ज के दलदल में धंसते जा रहे हैं। पर्याप्त संसाधनों का मतलब यह भी नहीं है कि उन्हें उड़ा दिया जाए, बल्कि दीर्घकालीन विकास से जुड़े कार्यक्रमों पर उन्हें लगाना चाहिए।

अब समय आ गया है कि कल्याणकारी शब्द की व्याख्या हो। व्यावहारिक दृष्टि से कल्याणकारी लाभ का मतलब है उसकी बुनियादी दिक्कतों का दूर होना। आम जनता की गरीबी, बेरोजगारी, आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी समस्याओं का दीर्घकालीन समाधान ही अर्थ निकलता है । ऐसे दूरगामी कार्यक्रमों को अक्सर समझ पाना आसान नहीं होता, जबकि हाथ में नकदी आना, मुफ्त बिजली, अनाज या मुफ्त-यात्रा का सुख फौरन दिखाई पड़ता है।

इन कार्यक्रमों की अलग-अलग श्रेणियां बनाई जाएं, तो उनके लाभ और हानियां भी सामने आएंगे। देखना यह भी ज़रूरी है कि सरकारी खजाने में इन सब कार्यक्रमों को पूरा कर पाने की सामर्थ्य है भी या नहीं।

भारत की राजनीति में गरीबनवाज़ की छवि जादू दिखाती है। इंदिरा गांधी का 'गरीबी हटाओ' वर्ष 1985 में आंध्र विधानसभा के चुनाव में तेलुगु देशम? पार्टी का दो रुपये किलो चावल देने का वादा ऐसा ही था । चुनाव में ज़बर्दस्त सफलता मिली। भले ही चुनाव के बाद आठ रुपये किलो चावल बिका, पर जादू तो चला। दक्षिण भारत में तोहफों की राजनीति का एक नया दरवाजा तभी से खुला है।इस प्रवृत्ति को लेकर ही सुब्रमण्यम बालाजी बनाम तमिलनाडु राज्य मामला सुप्रीम कोर्ट पहुँचा था, जिस पर 2013 में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चुनावी घोषणापत्र में किए वादों को भ्रष्ट-आचरण नहीं माना जा सकता।चुनावी वायदे भ्रष्ट आचरण हैं या नहीं, यह विषय एक अरसे से चर्चा का विषय है। यह मसला अब भी सुप्रीम कोर्ट में किसी न किसी रूप में विचाराधीन है।

सुप्रीम कोर्ट ने इसे गंभीर मुद्दा बताते हुए सरकार तथा चुनाव आयोग से कहा है कि वे इसे रोकने के लिए जरूरी समाधान खोजें। इस बार भी चुनाव से पहले मध्य प्रदेश और राजस्थान में सरकारों की ओर से चुनाव के ठीक पहले की जा रही घोषणाओं के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दाखिल की गई थीं। अदालत भी यह जिम्मेदारी राजनीतिक दलों पर डाल देती है कि वे संसद और विधानसभाओं में जाकर 'मुफ्त की रेवड़ियों' की परंपरा खत्म करने के लिए कानून बनाएं। क्या राजनीतिक दल इसके लिए तैयार होंगे?

अपने विचारों के लिए साहित्यकार जोखिम उठाएं

-अरुण पटेल

मूल्य से कभी भी समझौता न करने वाले प्रखर समाजवादी नेता व चिंतक रघु ठाकुर पूरे देश में घूम-घूम कर विचारों के प्रति प्रतिबद्धता के लिए अलग जगह रहे हैं। विजय देवनारायण साही शताब्दी समारोह में साहित्यकारों को उनके कर्तव्यों का बोध कराते हुए रघु ठाकुर ने कहा है कि साहित्यकारों को अपने विचारों के लिए जोखिम उठाने की जरूरत है। रघु ठाकुर ने जो कुछ कहा है वह आज समय की जरूरत है क्योंकि यदि आपको अपने विचार स्वतंत्रतापूर्वक रखना है तो उन्हें जोखिम उठाने के लिए भी हमेशा तत्पर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिंदी साहित्य के प्रसिद्ध कवि और लेखक विजयदेव नारायण साही ने साहित्य को कर्म से जोड़ने का जोखिम उठाया। असल साहित्यकार वही है जो विचारों के लिए जोखिम उठाए।

रघु ठाकुर ने कहा कि साहित्यकार की जीभ कुत्ते की दुम नहीं, जो कहीं भी हिलाए। ठाकुर ने कहा कि साही जी डॉ. राममनोहर लोहिया जी के बहुत नजदीक थे। साही जी का चिंतन लोहिया जी की विचारधारा का प्रतिनिधित्व करता है। लोहिया जी और साही जी के बीच लोकतांत्रिक मूल्यों और समाजवादी विचारों को लेकर गहन चर्चा होती थी। मुख्य अतिथि प्रोफेसर विजय बहादुर सिंह ने साही को याद करते हुए कहा कि हम जैसे लोग अपने विद्यार्थी जीवन से ही विजयदेव नारायण साही जैसे साहित्यकारों को पढ़कर समृद्ध होते रहे हैं। हमारे पुरखों को आजादी पसंद थी और साही जी असल मायनों में आजादी का अर्थ समझते थे।

संस्कृत के जाने-माने विद्वान प्रोफेसर राधवल्लभ त्रिपाठी का कहना था कि जब मैंने पहली बार साही जी को सागर में सुना था तब मुझे लगा कि उनके सोचने और बोलने का तरीका औरों से बहुत अलग है। साहित्यकार मुकेश वर्मा ने कहा कि साहित्यकार को यह चुनना पड़ता है कि वह लोक के साथ या अभिजात्य के साथ। साही जी का चिंतन लोक के साथ था। वर्मा का कहना पूरी तरह से समसामयिक और प्रासंगिक है कि विजय देवनारायण साही कवि और साहित्यकार के साथ शोषित और वंचितों की आवाज थे।

माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति दीपक तिवारी ने कहा कि हम जिस अज्ञानता के दौर से गुजर रहे हैं, उस दौर में साही जी जैसे लोगों की बहुत जरूरत है। साहित्यकारों को संबोधित करते हुए जहां रघु ठाकुर साहित्यकारों को उनका कर्तव्यबोध याद दिला रहे थे तो वहीं दूसरी ओर आज के ही दिन अपने राजनीतिक दल लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी को संबोधित करते हुए उन्होंने न केवल कांग्रेस पार्टी को आईना दिखाया बल्कि उसे उसकी कमजोरी का भी एहसास कराया।

रघु ठाकुर ने कहा कि हमारा संगठन कमजोर है, इसलिए हम वांछित परिणाम नहीं पा सके लेकिन कांग्रेस पार्टी ने अपने राजनैतिक दायित्व को पूरा नहीं किया और गठबंधन को वैचारिक, व्यापक और मजबूत बनाने का कोई प्रयास नहीं किया। इतना ही नहीं कांग्रेस ने गठबंधन के विरुद्ध अपमानित और उपेक्षित कार्य किया। उन्होंने कहा कि डॉक्टर लोहिया की कल्पना के अनुसार न्यूनतम और समयबद्ध कार्यक्रम पर आधारित गठबंधन बनना चाहिए और उसे लेकर जनता में जाना चाहिए। रघु ठाकुर का यह कथन पूरी तरह से प्रासंगिक है कि विचारधारा और सिद्धांतों पर आधारित गठबंधन ही जनता को दिशा दे सकता है और उसके बीच अपनी जगह बना सकता है। रघु ठाकुर ने कहा कि दुनिया में जो युद्ध हो रहे हैं वह मानवता के भविष्य के लिए चिंताजनक हैं। डॉ लोहिया कहते थे कि बालिग मताधिकार के आधार पर विश्व-संसद बनना चाहिए और यही युद्ध का हल है।

उन्होंने उत्तराखंड में सुरंग फटने की घटना तथा मजदूरों के सुरक्षित निकालने पर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि हिमालय को लेकर एक समग्र नीति बनना चाहिए। आज के समय में जहां एक ओर साहित्यकारों को जोखिम उठाने के लिए तैयार रहने की आवश्यकता है तो वहीं दूसरी ओर विपक्षी गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस को भी अधिक चौकन्ना और सजग रहने की जरूरत है तथा इस दिशा में रघु ठाकुर ने जो कुछ कहा है उस पर दोनों को ही गहन चिंतन मनन की जरूरत के साथ ही जहां जो जरूरी बदलाव हो वह करने की दरकार है।

कानून और न्यायः अब शुरू होगा चुनाव याचिकाओं का दौर

विनय झैलावत

चुनाव याचिका उस मतदाता या उम्मीदवार के लिए एक सुलभ कानूनी उपाय है जो महसूस करता है कि चुनावी कदाचार हुआ है। एक चुनाव याचिका को एक सामान्य प्रकरण के रूप में नहीं माना जाता है। इसे एक लड़ाई के रूप में माना जा सकता है, जिसमें मानो पूरा निर्वाचन क्षेत्र भाग ले रहा हो। चुनाव याचिकाओं की सुनवाई राज्य के उच्च न्यायालय द्वारा की जाती है। इस प्रकृति की याचिका चुनाव परिणामों की तारीख के पैंतालीस दिनों के भीतर दायर की जानी चाहिए। यद्यपि 1951 के लोक प्रतिनिधि अधिनियम में उच्च न्यायालय को छह महीने के भीतर मुकदमे को पूरा करने का प्रयास करने चाहिये। लेकिन इसमें आम तौर पर काफी अधिक समय लगता है। कई बार तो अगले चुनाव भी आ सकते हैं।

उच्च न्यायालय को भारत के चुनाव आयोग और सदन के अध्यक्ष या राज्य विधानमंडल के अध्यक्ष को चुनाव याचिका की सुनवाई समाप्त होने के बाद अपने फैसले से जल्द से जल्द सूचित करना चाहिए। उच्च न्यायालय को निर्वाचन आयोग को फैसले की एक अधिकृत प्रति भी प्रदान करनी चाहिए। यदि चुनाव याचिका पर फैसला याचिकाकर्ता के पक्ष में है, तो अदालत नए चुनाव का आदेश दे सकती है या किसी पराजित उम्मीदवार को विजेता घोषित कर सकती है। उच्च न्यायालय द्वारा लिया गया प्रत्येक निर्णय किसी भी मामले पर सर्वोच्च न्यायालय में अपील के अधीन है।

लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 100 किसी निश्चित उम्मीदवार के चुनाव को अमान्य घोषित करने की अनुमति देती है। एक चुनाव याचिका एक या अधिक आधारों पर दायर की जा सकती है। पूर्व में चुनाव लड़ने वाला चुनाव के दिन अथवा उम्मीदवारी के लिए अयोग्य अथवा ऐसे उम्मीदवार या उनके चुनाव एजेंट, उनके चुनाव एजेंट की मंजूरी से कोई अन्य व्यक्ति, किसी भी भ्रष्ट गतिविधि में लिप्त है तो चुनाव याचिका प्रस्तुत की जा सकती है। इसके अलावा किसी भी नामांकन की अनुचित स्वीकृति भी एक आधार हो सकता है। साथ ही किसी भी वोट को अनुचित रूप से प्राप्त करने, अस्वीकार करने या अमान्य वोट प्राप्त करना तथा संविधान या लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों, या इस अधिनियम के तहत जारी किसी भी नियम या निर्देषों का कोई उल्लंघन भी इसके आधार हो सकते हैं।

लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा

123 के तहत भ्रष्ट कार्यों में रिश्वत (उम्मीदवार या उसके एजेंट द्वारा मतदाता या पद के लिए चुनाव लड़ने वाले किसी अन्य उम्मीदवार को दिया गया कोई भी उपहार, प्रस्ताव, वादा या किसी भी प्रकार का आनंद) अनुचित प्रभाव, उम्मीदवार या उसके एजेंट द्वारा प्रयोग किया गया प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष प्रभाव इसमें सम्मिलित है। इसमें अन्य बातों के अलावा धमकियां, मतदाताओं या अन्य उम्मीदवारों को समझाने के प्रयास, सार्वजनिक नीति या कार्रवाई का बयान, या कानूनी अधिकार का सरल प्रयोग भी शामिल है। इसके अलावा एक उम्मीदवार या उसके चुनाव एजेंट द्वारा यह अनुरोध करना कि मतदाता धर्म, नस्ल, जाति, समुदाय या भाषा के आधार पर मतदान करने से बचना, भी आधार हो सकता है। उम्मीदवार की चुनाव संभावनाओं को आगे बढ़ाने या किसी अन्य उम्मीदवार के चुनाव को नकारात्मक रूप से प्रभावित करने के लिए राष्ट्रीय प्रतीकों, राष्ट्रीय झंडों का उपयोग तथा उम्मीदवार या उसके चुनाव एजेंट द्वारा दिए गए झूठे बयान भी आधार हो सकते हैं। ऐसी टिप्पणी भी शामिल हो सकती है जो उस उम्मीदवार के चुनाव की संभावनाओं को नुकसान पहुंचाने के लिए की गई हो।

चुनावी संभावनाओं को आगे बढ़ाने के लिए सरकारी कर्मचारियों की सेवाएं प्राप्त करने का प्रयास भी इसमें सम्मिलित है। इन सरकारी कर्मचारियों में राजपत्रित अधिकारी, मजिस्ट्रेट, सशस्त्र बलों के सदस्य, पुलिस अधिकारी, आबकारी अधिकारी, राजस्व अधिकारी और अन्य शामिल हो सकते हैं। चुनाव अभिकर्ता के उम्मीदवार द्वारा बूथ कैप्चरिंग भी एक आधार है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नंदीग्राम में विधानसभा चुनाव के परिणामों पर विवाद करते हुए कलकत्ता उच्च न्यायालय में एक चुनाव मुकदमा दायर किया है, जहां उन्होंने चुनाव लड़ा और हार गई। सबसे प्रसिद्ध 1975 का इलाहाबाद उच्च न्यायालय का फैसला है, जिसने कथित भ्रष्टाचार के कारण रायबरेली निर्वाचन क्षेत्र से इंदिरा गांधी के चार साल पुराने चुनाव को पलट दिया था। एक अन्य हाई-प्रोफाइल मामला 2008 के राजस्थान विधानसभा चुनाव में कांग्रेस नेता सीपी जोशी की एक वोट से हार थी। ऐसा ही एक मामला 2008 के विधानसभा चुनाव का धार विधानसभा चुनाव का भी है जहां बालमुकुंद गौतम ने अपनी एक वोट से हार को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी और अदालत ने उन्हें एक वोट से विजयी घोषित किया था। इससे पहले विजयी उम्मीदवार का चुनाव शून्य घोषित किया गया था।

चुनाव आयोग की जिम्मेदारी परिणामों की घोषणा के साथ समाप्त होती है। इसके बाद एक मतदाता या उम्मीदवार के लिए एकमात्र कानूनी उपाय चुनाव याचिकाएं हैं। चुनाव याचिका संसदीय या स्थानीय सरकार के चुनावों में चुनाव परिणामों की वैधता को चुनौती देने का एक विधिक रास्ता है। उच्च न्यायालय ऐसी किसी भी निर्वाचन याचिका को खारिज कर देगा जो धारा 81 या 82 या धारा 117 के उपबंधों का अनुपालन नहीं करती है। इस उपधारा के अधीन निर्वाचन अर्जी को खारिज करने वाला उच्च न्यायालय का आदेश धारा 98 के खंड (क) के अधीन किया गया आदेश समझा जाएगा। उच्च न्यायालय को निर्वाचन अर्जी प्रस्तुत किए जाने के पश्चात न्यायाधीशों में किसी एक को निर्दिष्ट किया जाएगा जो निर्वाचन अर्जियों के विचार के लिए मुख्य न्यायमूर्ति द्वारा धारा 80 क की उपधारा (2) के अधीन रोस्टर में निर्धारित किया गया हो। जहां कि उसी निर्वाचन की बाबत एक से अधिक निर्वाचन अर्जियां उच्च न्यायालय को स्थापित की जाती हैं, वहां उनमें से सब उसी न्यायाधीश को विचार के लिए निर्दिष्ट की जाएगी जो अपने विवेकानुसार उनको अलग-अलग अथवा एक या अधिक समूहों में विचार कर सकेगा।

कोई अभ्यर्थी जो पहले से ही प्रत्यर्थी न हों, विचारण के प्रारम्भ की तारीख से चैदह दिन के भीतर उच्च न्यायालय से उसके द्वारा आवेदन किए जाने पर और खर्चों के लिए प्रतिभूति के बारे में किसी ऐसे आदेश के अधीन, जो उच्च न्यायालय द्वारा किया जाए, प्रत्यर्थी के रूप में संयोजित किए जाने का हकदार होगा। इस उपधारा और धारा 97 के प्रयोजनों के लिए किसी अर्जी का विचार उस तारीख को प्रारम्भ हुआ समझा जाएगा जो प्रत्यर्थियों के उच्च न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत होने और अर्जी में किए गए दावे या दावों का उत्तर देने के लिए नियत की गई है। उच्च न्यायालय खर्चों के बारे में और अन्यथा ऐसे निबंधनों पर, जिन्हें वह ठीक समझे, अर्जी में अभिकथित किसी भ्रष्ट आचरण की विशिष्टियों के ऐसी रीति में संशोधन किए जाने या परिवर्तित किए जाने की अनुमति दे सकेगा। हर निर्वाचन अर्जी यथासंभव शीघ्रता से विचारित की जाएगी और उस तारीख से, जिसको निर्वाचन अर्जी उच्च न्यायालय को विचार के लिए स्थापित की गई है, छह मास के भीतर विचारों को समाप्त करने का प्रयास किया जाएगा।

यदि उच्च न्यायालय यह पाता है कि निर्वाचित उम्मीदवार अपने निर्वाचन के लिए चुने जाने के लिए संविधान या इस अधिनियम के °(या संघ राज्यक्षेत्र शासन अधिनियम, 1963 (1963 का 20) के अधीन पात्र नहीं था या उसके अपात्र घोषित कर दिया गया हो, तो अपात्र घोषित किया जा सकता है। निर्वाचित व्यक्ति या उसके निर्वाचन एजेंट द्वारा या निर्वाचित व्यक्ति या उसके निर्वाचन की सम्मति से किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कोई भ्रष्ट आचरण किया गया हो तो भी निर्वाचन निरस्त किया जा सकता है। साथ ही कोई नाम निर्देशन अनुचित रूप से प्रस्तुत किया गया हो अथवा निर्वाचन परिणाम किसी नाम-निर्देशन के अनुचित प्रतिग्रहण, किसी भ्रष्ट आचरण से, जो निर्वाचित अभ्यर्थी के हित में उसके एजेंट भिन्न एजेंट द्वारा किया गया हो अथवा किसी मत के अनुचित तौर पर लिए जाने के इंकार करने जैसे कुछ अन्य आधारों पर चुनाव निरस्त अथवा शून्य घोषित किया जा सकता है। हमें यह याद रखना होगा कि चुनाव याचिका एक महत्वपूर्ण अधिकार है। इसके लिए साक्ष्य का होना अत्यंत आवश्यक है। साथ ही बेहद तकनीकी उपाय है, जिसका उपयोग सोच समझकर किया जाना चाहिए।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

कलेक्टर ने वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से की विकसित भारत संकल्प यात्रा की तैयारियों की समीक्षा

औबेदुल्लागंज। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत रायसेन जिले के समस्त नगरीय निकायों के वार्डो तथा ग्राम पंचायतों में यात्राओं तथा शिविरों का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर अरविंद दुबे ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से विकसित भारत संकल्प यात्रा के आयोजन हेतु की जा रही तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर दुबे ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत जिले में आठ आईईसी वेन नगरीय निकायों तथा ग्राम पंचायतों में पहुंचकर केन्द्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार करेगीं। आईईसी वेन में उपलब्ध ऑडियो विजुअल एड, ब्रोशर, पम्पलेट, बुकलेट इत्यादि से सूचनाओं और जानकारियों को आमजन तक पहुँचाया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों से जनपदवार बनाए गए रूट चार्ट की जानकारी लेते हुए कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा में अधिक से अधिक नागरिकों की भागीदारी हो और जरूरतमंदों तक योजनाओं का लाभ पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर दुबे ने निर्देश दिए कि विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम स्थलों पर स्वास्थ्य विभाग तथा आयुष विभाग द्वारा स्वास्थ्य शिविर आयोजन हेतु सभी व्यवस्थाएं की जाएं। साथ ही कार्यक्रम स्थलों पर महिला बाल विकास विभाग, बैंक, स्व-सहायता समूहों, कृषि, उद्यानिकी, जल जीवन मिशन आदि के स्टॉल लगाकर योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। इसके लिए भी सभी तैयारियां पूर्ण कर ली जाएं। कार्यक्रम स्थलों पर तकनीकी सत्र भी आयोजित होंगे जिनमें कृषि कार्यो में ड्रोन के उपयोग का प्रदर्शन, मिट्टी परीक्षण, प्राकृतिक और उन्नत खेती की जानकारी दी जाएगी। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, अपर कलेक्टर अभिषेक दुबे सहित जिला अधिकारी उपस्थित रहे। वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से अनुभागों से एसडीएम, जनपद सीईओ, सीएमओ सहित संबंधित अधिकारी भी शामिल हुए।

रेलवे ग्राउंड में फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

इटारसी रेलवे बॉयज फुटबॉल क्लब द्वारा आयोजित जिला स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता अंडर 16 फुटबॉल प्रतियोगिता मैत्री फुटबॉल प्रतियोगिता के चौथे दिन का पहला मैच फाइटर क्लब इटारसी और यंग बॉयज न्यू यार्ड के मध्य खेला गया मैच काफी रोमांचक रहा दोनों ही टीमों ने एक दूसरे पर काफी दबाव बनाया मैच के रेफरी संदीप चक्रवर्ती, लाइनमैन अंकुश,मसीह अक्षत तिवारी एवं थर्ड रेफरी डालचंद राज , तथा राकेश मसीह रहें। मैच के हाफ टाइम तक दोनों ही टीम बराबर रही मैच के सेकंड हाफ में फाइटर क्लब के कृतिक ने 57 वे मिनिट में 1,,गोलकर टीम फाइटर को 1 गोल से बड़त दिलाई और अंत तक स्कोर एक जीरो रहा। जीनियस प्लेनेट स्कूल की ओर से मेन ऑफ द मैच का पुरस्कार यंग बॉयज न्यू यार्ड के गोलकीपर यश दीवान को दिया गया। मैच के मुख्य अतिथि तरुण पोपली समाजसेवी तथा क्लब के संरक्षक थे। पोपली द्वारा क्लब को उज्जवल खेल की एवं सफल प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की गई एवं गरीब बच्चों के लिए 15 जोड़ी जूते प्रदान करने की घोषणा की गई।दूसरा मैच गुरुकुल 11 होशंगाबाद विरुद्ध यार्ड 11 के मध्य खेला गया जिसमें गुरुकुल टीम ने 3,,0 से मैच जीत कर अगले दौर में प्रवेश किया ।

युवक ने अपने घर पर फांसी लगाकर की आत्महत्या

सिरोंज। ग्राम मुगलसराय में युवक वसीम कुरैशी ने अपने घर पर अज्ञात कारणों के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली । पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम सिरोंज में शासकीय राजीव गांधी करने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया फांसी के कारणों की जांच पुलिस के द्वारा की जा रही है ।दूसरी ओर इस ग्राम में पहले भी आत्महत्या के मामले सामने आ चुके हैं। इनकी वजह को जानने के लिए पुलिस के द्वारा काम करना होगा जानकारी के अनुसार ग्राम में जुआ सट्टे का कारोबार भी जोर से चल रहा है। युवक फांसी लगाकर आत्महत्या जैसा कदम क्यों उठा रहे हैं इसके लिए भी लोगों को और परिवार जनों को ध्यान देना होगा।

राष्ट्र जागरण गायत्री महायज्ञ में आज महापूर्णाहुति और दीक्षा संस्कार

छतरपुर। अखिल विश्व गायत्री परिवार छतरपुर द्वारा सरानी गेट बाहर स्थित सिद्धपीठ श्री महालक्ष्मी मंदिर में चल रहे 24 कुण्डीय राष्ट्र जागरण गायत्री महायज्ञ की महापूर्णाहुति 13 दिसंबर को होगी। इस अवसर पर दीक्षा संस्कार भी संपन्न कराए जाएंगे। मंगलवार को सुबह से दोपहर तक राष्ट्र जागरण गायत्री महायज्ञ में आहुतियां दी गई। शाम को शांतिकुंज हरिद्वार से आए संतों द्वारा प्रवचन दिए गए और दीप महायज्ञ का आयोजन किया गया। शांतिकुंज हरिद्वार से टोली नायक नमोनारायण पाण्डे, सहायक टोली नायक खिलावन सिन्हा के साथ युग गायक रामवीर नेगी, तबला वादक अभय श्रीवास और चालक दयानंद यादव आए हैं। टोली नायक ने मानव उत्पत्ति का रहस्य तथा शरीर और जीवात्मा के सम्बन्ध पर गहन शोध प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार शरीर को भोजन की आवश्यकता होती है उसी तरह जीवात्मा को आध्यात्मिक भोजन जरुरी होता है। जप, तप करने और परमात्मा का चिंतन करने से आध्यात्मिक भोजन की पूर्ति होती है और जीवात्मा परिपुष्ट होती है। इससे व्यक्ति के सदमार्ग का पथ प्रशस्त होता है। उन्होंने दीप महायज्ञ की चर्चा करते हुए दीपक को त्याग का प्रतिक बताया और कहा कि हमें भी अपने अंदर प्रकाश का अनुसन्धान करना चाहिए।

इटारसी में बनेंगे तीन स्मार्ट फिश पार्लर

इटारसी, मध्यप्रदेश सरकार के मत्?सय विभाग की मध्?यप्रदेश फिश पार्लर योजना के तहत शहर के मछली बाजार में तीन स्?मार्ट फिश पार्लर बनाए जाएंगे। इसके लिए नगरपालिका अध्?यक्ष पंकज चौरे, सीएमओ रितु मेहरा ने टीम के साथ यहां निरीक्षण किया।15 लाख रुपये लागत से तीन फिश पार्लर बन रहे हैं। प्रत्?येक फिश पार्लर के लिए 5 लाख रुपये शासन ने दिए हैं।

नगरपालिका अध्?यक्ष पंकज चौरे ने निरीक्षण के दौरान मछली व्?यापारियों से कहा कि आधुनिक फिश पार्लर के माध्यम से मछली की मार्केटिंग करने में भी मछली पालकों को आसानी होगी वहीं मछलियों के स्टोरेज के लिए सरकार द्वारा डीप फ्रीजर, फ्रीजर डिस्प्ले काउंटर के साथ साथ फिश कटर और मछली की छिलाई मशीनें भी मछली पालको को मुहैया कराई जाएगी। स्मार्ट फिश पार्लर खोलने के लिए सरकार द्वारा 15 लाख रुपये आए हैं।

इस योजना को नगरी निकाय और ग्राम पंचायत तैयार किया जाएगा । मध्य प्रदेश फिश पार्लर योजना के तहत एक आधुनिक मछली पार्लर बनाने के लिए 5 लाख रुपए खर्च होंगे। मध्य प्रदेश के मत्स्य विकास एवं मछुआ कल्याण विभाग द्वारा शहरी क्षेत्रों में नगरीय निकाय और ग्रामीण क्षेत्र में ग्राम पंचायतें 5 लाख रुपए की लागत से स्मार्ट मछली पार्लर तैयार करवाएगी। सारा खर्च सरकार द्वारा ही उठाया जाएगा। मछुआरे समुदाय के लोगों के लिए राज्य सरकार द्वारा बड़ी राहत दी जाएगी।इस योजना के तहत

मछली पालन करने वाला कोई भी मांझी समाज से

जुडा हुआ मछुआरा इन स्मार्ट फिश पार्लर से जुड़ सकता है। मछली पालको को मछली को स्टार्ट करने के लिए डीप फ्रीजर, फ्रीजर डिस्प्ले काउंटर के अलावा फिश कटर और मछली की छिलाई के लिए मशीनें भी उपलब्ध करवाई जाएगी। राज्य में स्मार्ट फिश पार्लर खुलने से 24 घंटे फ्रेश मछली मिल सकेगी।

क?या कचरा पटटी मचा रखी है काम नहीं होता तो क?यों लेते हो टेंडर ?नपा अध्यक्ष

बस स?टैंड प्रतीक्षालय के निरीक्षण के दौरान यहां कचरा और बेतरतीब काम को देखकर भडके नगरपालिका अध?यक्ष ने

ठेकेदार को फोन लगाकर फटकार लगाई और कहा मुझे रेलवे स?टेशन के प्रतीक्षालय जैसा प्रतीक्षालय चाहिए ।

बस स?टैंड के प्रतीक्षालय में चल रहे पुर्ननिर्माण के निरीक्षण के दौरान एक निजी कंपनी द्वारा प्रतीक्षालय में महिला एवं पुरुष के लिए अलग अलग टॉयलेट का निर्माण कार्य किया जा रहा है साथ ही लॉकर रुम भी कार्य हो रहा है। जहां काम की गति बहुत धीमी है, जिसकी जानकारी मिलने पर नपा अध?यक्ष पंकज चौरे और सीएमओ मेहरा, उपयंत्री सोनिका अग्रवाल, वार्ड पार्षद? अमित विश?वास पहुंचे यहां श्री चौरे ने कचरा, निर्माण सामग्री का कचरा, दीवार पर पुटटी के स?थान पर नार्मल पेंट होता देख नाराजगी व?यक?त की,उन?होंने प्रतीक्षालय का निर्माण कर रही निजी कंपनी के सुपरवाइजर से ठेकेदार का नम?बर लेकर फोन पर उससे चर्चा कर फटकार लगाते हुए कहा कि आपने यहां क?या कचरा पटटी बचा रही है, काम नहीं होता तो टेंडर क?यों ले लेते हो। यह हमारा ड्रीम प्रोजेक?ट था, आपने पूरा खराब कर दिया। हम इसे रेलवे स?टेशन पर बने प्रतीक्षालय की तर्ज पर शानदार बनवाना चाह रहे थे, आप ने कचरा पटटी बना दिया। इससे अच?छा तो हम ही बना लेते। उन्होंने कहा कि दिसम?बर के अंत तक किसी भी हालत में मुझे पूरा प्रतीक्षालय बना मिल जाना चाहिए, नहीं तो आप समझदार हो।

नपा अध्यक्ष ने किया जमानी रोड पर बन रहें नाले का निरीक्षण

जमानी रोड पर बन रहें सीमेंटेड नाले का निरीक्षण नपा अध?यक्ष पंकज चौरे ने किया। इस दौरान सीएमओ रितु मेहरा एवं उपयंत्री मुकेश जैन मौजूद थे।

नागरिकों की शिकायत आ रही थी कि नाले और रोड़ के बीच में पिफलिंग नहीं होने से गडडे बन गए हैं जिससे राहगीरों को परेशानी हो रही है। नपा अध?यक्ष चौरे ने ठेकेदार अर्पित जैन को मौके पर बुलाकर निर्देश देते हुए मुरम की पिफलिंग करने तथा कार्य जल?द पुर्ण करने कि बात? कहीं।

पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष अमिता अरोरा पर अनुमति लिए बगैर कालोनी काटने और सड़क निर्माण कराने पर प्रकरण दर्ज

सीहोर। नगर पालिका परिषद सीहोर की पूर्व अध्यक्ष अमिता अरोरा के खिलाफ थाना कोतवाली थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। उन पर टीएनसीपी सहित शासन की अनुमति लिए बगैर कॉलोनी काटने का आरोप है। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान वार्ड क्रमांक 04 स्वदेश नगर के पास नियम विरुद्ध अवैध रुप से कॉलोनी एंव पद का दुरुपयोग करते हुए रुपये 26,97,104 रुपए की सीमेन्ट कांक्रीट सड़क निर्माण अनुदान मद से करने का प्रकरण दर्ज किया गया।

मामले में कोतवाली थाना प्रभारी विकास खींची ने बताया कि मुख्य नगर पालिका अधिकारी के द्वारा आवेदन दिया गया था, जिसके आधार पर नगर पालिका सीहोर की पूर्व अध्यक्ष अमिता अरोरा के खिलाफ धारा 339 ग के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले में जो तथ्य सामने आए हैं, उसके अनुसार बिना शासन की अनुमति के कॉलोनी काटी गई है, जिसके कारण लोगों को मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। इसलिए एफआईआर काटी गई है।

पुलिस के अनुसार पूर्व नपाध्यक्ष अमिता अरोरा ने अपने कार्यकाल के दौरान वार्ड क्रमांक 04 स्वदेश नगर माँ विजासन धाम कॉलोनी का अवैध रुप से निर्माण कर भूमि सर्वे नंबर 481,486/2,490/1/3 व अन्य सर्वे नबंरो की भूमि पर अवैध रुप से अवैध कॉलोनी तथा स्वयं के पति का कार्यालय बिना किसी प्रकार की वैधानिक अनुमति के प्राप्त कर अवैधानिक रुप से छोटे-छोटे प्लाट काटकर विक्रय किये गये है। इसके साथ ही बिना नगर पालिका अनुमति प्राप्त करे भवनों का निर्माण भी किया गया है। उक्त सर्वे नम्बर की भूमि पर इनके द्वारा भू-खण्ड विक्रय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी से कॉलोनाईजर का रजिस्ट्रीकरण का प्रमाण पत्र नही लिया गया, नगर एवं ग्रामीण निवेष विभाग (टीएनसीपी) की अनुज्ञा, कालोनी विकास की अनुज्ञा नजूल अनापत्ति अनुज्ञा नही ली गई। कॉलोनी में विधुतीकरण, जलप्रदाय प्रणाली, सीवरेज लाईन की सुविधा भी नही दी गई। पूर्व नपाध्ययक्ष अमिता अरोरा द्वारा अध्यक्ष द्वारा पद का दुरुपयोग करते हुऐ अनुदान/नगर पालिका निधि से उक्त अवैध कॉलोनी मे निजी भूमि पर सीमेन्ट कांक्रीट सड़क का निर्माण कराया गया।

सड़क पर चलते हुए ट्रक से शक्कर की बोरी चुराते एक चोर को राहगीरों ने रंगे हाथ पकड़ा, एक मौका देख हो गया फरार

राहगीरों ने पकड़े गए चोर को किया पुलिस के हवाले

सीहोर। सड़क पर चलते हुए ट्रक से सामान चोरी करने की वारदात सामने आई है। शनिवार को चलते हुए ट्रक से शक्कर की बोरी चोरी करते हुए एक चोर को राहगीरों ने रंगे हाथ दबोच लिया और उसे पुलिस के हवाले कर दिया। जबकि एक चोर मौका देखकर भाग निकला। जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। भोपाल इंदौर हाईवे रोड पर जब तब चलते हुए ट्रक से सामान चोरी की वारदाते सामने आ जाती है। लाख प्रयासों के बाद भी पुलिस इन पर अंकुश नहीं लगा पा रही हैं। अभी तक इस तरह की घटनाएं आष्टा और पगारिया घाटी के आसपास ही प्रमुख रूप से देखी जा रही थी, लेकिन अब इस तरह की घटनाएं सीहोर में भी होने लगी है। शनिवार को इस तरह की घटना इंदौर नाका क्षेत्र में उस समय देखने को मिली जब महाराष्ट्र से भोपाल शक्कर की बोरी से भरा ट्रक नगर के इंदौर नाके मार्ग से गुजर रहा था। इस दौरान पहले से घात लगाए 2 चोरों ने ट्रक पर चढ़कर वाहन में रखी शक्कर की बोरियो को उतारना शुरू किया था और अभी 2 बोरी ही ट्रक से उतारी थी कि राहगीरों की नजर चोरो पर पड़ गई। तत्काल राहगीरों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। इसके साथ ही ट्रक रोककर चोरो को पकड़ने घेराबन्दी कर दी। राहगीरों की आवाज सुनकर एक चोर मोके से फरार हो गया। जबकि एक चोर को राहगीरों ने पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस पकड़े हुए चोर से अपने साथी फरार हुए चोर के बारे में जानकारी एकत्रित कर रही है, लेकिन अभी फरार हुए चोर के संबंध में कोई सुराग नहीं लगा है।

नेत्र शिविर में 220 मरीजों की जांच कर 20 को भेजा चित्रकूट

छतरपुर। सिद्धपीठ माता महालक्ष्मी मंदिर में अग्रवाल समाज के तत्वावधान में लॉ कैपिटोल परिवार के सहयोग से मंगलवार को लगे निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर में 220 मरीजों की आंखों की जांच की गई। मोतियाबिंद के आपरेशन के लिए इनमें से 20 मरीजों को चित्रकूट ले जाया गया।

जिला अग्रवाल समाज के मीडिया प्रभारी रामकिशोर अग्रवाल ने बताया कि महालक्ष्मी मंदिर में मंगलवार को सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर पिता नाथूराम अग्रवाल एवं माँ राजाबाई अग्रवाल की स्मृति में उनके पुत्र ग्रीन एवेन्यू निवासी बालकृष्ण अग्रवाल दाऊ एवं नाती सुनील, विजय व अजय अग्रवाल के सहयोग से लगाया गया। बालकृष्ण दाऊ का पूरा परिवार इस दौरान मौजूद रहा और व्यवस्थाएं संभालने में सहयोग किया। शिविर में श्री सदुरु नेत्र चिकित्सालय जानकीकुंड चित्रकूट के डाक्टरों डॉ अरविंद मिश्रा, भीष्म शुक्ला, ओमकार यादव, मनीष यादव, विजय पांडे और रोहित लखेरा की टीम ने 220 मरीजों की जांच कर उन्हे दवाएं और चश्मे प्रदान कर उचित मार्गदर्शन दिया। इनमें से 20 मरीजों की आंखों में मोतियाबिंद पाए जाने पर उन्हें लेंस प्रत्यारोपण के लिए चित्रकूट ले जाया गया। शिविर का शुभारंभ बालकृष्ण अग्रवाल दाऊ एवम उनके परिजनों ने महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्जवलित कर किया। तत्पश्चात मरीजों की आंखों की जांच शुरू हुई। इस दौरान मरीजों को खिचड़ी प्रसाद और भोजन की व्यवस्था की गई।

इस अवसर पर जिला अग्रवाल समाज के कार्यकारी अध्यक्ष सुरेंद्र अग्रवाल, हरि प्रकाश अग्रवाल, नगर अग्रवाल समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, नवयुवक मंडल अध्यक्ष शिवम शानू के अलावा रोहित, टीटू, सत्यम सहित अनेक समाज बंधुओं ने उपस्थित रहकर शिविर में सहयोग प्रदान किया।

कायाकल्प में बन रही सड़क में बिजली के पोलों को नहीं किया जा रहा शिफ्ट

सिरोंज। नगर पालिका परिषद के द्वारा कायाकल्प योजना के अंतर्गत लिंक रोड की सड़क का चौड़ीकरण करवाया जा रहा है। जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है इस वजह से भोपाल के ठेकेदार के द्वारा गुणवत्ता विहीन सीसी डालने का काम किया जा रहा है। इसके साथ ही और लापरवाही से अपने काम को अंजाम जा रहा है। इसके वजह से आम जनता को पिछले कई महीनो से मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। इस मार्ग पर यातायात का दबाव रहता है फिर भी नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारी गुणवत्ता के साथ सड़क का निर्माण ठेकेदार से नहीं कर पा रहे हैं। चौड़ीकरण का फायदा भी नहीं होता हुआ दिखाई दे रहा है बिजली के फूलों को शिफ्ट किया बागड़ी सीसी डाली जा रही है। जिस उद्देश्य को लेकर क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा ने नगर वासियों को सुविधा देने के लिए कायाकल्प योजना के अंतर्गत करोड रुपए की लागत से सड़क की मंजूरी को चौड़ा करने का कार्य करवाने के लिए भूमि पूजन किया था। वही इसका फायदा नगर वासियों और आसपास के व्यापारियों को भी नहीं मिलेगा क्योंकि नगर पालिका परिषद के जिम्मेदारियां की अनदेखी और ठेकेदार की लापरवाही के कारण सड़क का चौड़ीकरण तो केवल खाना पूर्ति के लिए किया जा रहा है। दोनों तरफ जितने भी बिजली के पोल लगे हुए हैं उनको शिफ्ट किए बगैर ही नहीं सीसी डाली जा रही है । इस वजह से सड़क चौड़ी का लाभ नहीं मिलेगा जहां पर पहले से बिजली के पोल लगे हुए हैं वहीं पर खुदाई करके सीसी डालने का काम किया जा रहा है। जब तक बिजली के खम्बो को व्यवस्थित रूप से सड़क चौड़ीकरण से दूर नहीं किया जाएगा तब तक सड़क का चौड़ीकरण नहीं हो पाएगा अभी बिजली की पोल जहां खड़े हुए हैं वहीं पर सीसी डाल दी जा रही है फिर चौड़ीकरण का फायदा ही क्या दूसरी ओर बाद में यदि बिजली को पोलो को शिफ्ट किया गया तो

करोड़ों की लागत से बनाई गई सीसी सड़क की खुदाई होगी तो सड़क गड्ढों में तब्दील हो जाएगी वैसे ही अभी सड़क का निर्माण बहुत ही निम्न स्तर से हो रहा है। इस वजह से आने वाले दिनों में सड़क गढ़ों में तब्दील हो जाएगी विधायक उमाकांत शर्मा ने पहले ही घटिया निर्माण को लेकर स्थानीय अधिकारियों से लेकर प्रदेश के अधिकारियों को घटिया सड़क बनाने को लेकर शिकायत की गई थी उसे् समय अधिकारियों ने जांच पड़ताल की पर जैसे ही आचार संहिता का दौर प्रारंभ हुआ तो अधिकारियों ने ठेकेदार से सड़क बनाने के लिए बोला पिछले कई दिनों से तेज गति से सड़क बनाने का काम अपने हिसाब से ठेकेदार के द्वारा किया जा रहा है। उसको भी डर सता रहा था की कहानी विधायक की नजर मेरे घटिया काम पर पड़ गई तो मुझे लाले पड़ जाएंगे। वही नगर पालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू ने बताया कि सड़क का काम सही नहीं हो रहा है ठेकेदार को भुगतान हम तभी करेंगे जब गुणवत्ता की जांच करेंगे देखना है की गुणवत्ता की जांच होगी या फिर कागजों में ही जांच के नाम पर खाना पूर्ति करके ठेकेदार को भुगतान कर दिया जाएगा जो पहले भी हो चुका है। क्योंकि शहर में अधिकांश सड़कों का निर्माण ठेकेदारों के द्वारा अपने हिसाब से घटिया मटेरियल का उपयोग करके डाली जाती है। फिर चंद दिनों के बाद यह सड़क गढ़ों में तब्दील हो जाती हैं। जिस समय इनका निर्माण होता है उस समय संबंधित अधिकारियों के द्वारा किसी भी तरह की जांच पड़ताल नहीं की जाती है। बगैर जांच के ही सके बनकर तैयार हो जाती हैं।एक सड़क का निर्माण तो पिछले दिनों बगैर लेआउट के ही शहर में हो रहा था जिसकी पोल प्रदेश टुडे ने खोली। जिसकी भनक अधिकारियों को नहीं थी एसडीएम के निर्देश के बाद काम बंद हुआ। नगर में ऐसे कई निर्माण कार्य है जिनको ठेकेदार अपने हिसाब से कर देते हैं और बाद में यहा भुगतान भी करवा लेते हैं।

जिला भाजपा की कामकाजी बैठक संपन्न

संगठन के प्रति समर्पित कुछ कार्यकर्ताओं ने अनुशासनहीनता के साथ-साथ व्यक्तिगत छवि को खराब करने का प्रयास किया है ऐसे लोगों बख्शा नहीं जाएगा - राकेश शर्मा

बरेली। विकसित भारत संकल्प यात्रा 16 दिसंबर से 26 जनवरी तक निकाली जाएगी जिसको लेकर ज़िले में भाजपा ने तैयारियों शुरू कर दी है। केन्द्र सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निकाली जा रही विकसित भारत संकल्प यात्रा मे भारतीय जनता पार्टी सक्रिय सहभागिता करेगी। यह यात्रा 16 दिसम्बर से 26 जनवरी तक आयोजित होगी। इसकी तैयारियों को लेकर मंगलवार को भाजपा जिला कार्यालय में जिला भाजपा की कामकाजी बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की शुरुआत दीप प्रज्वलन कर की गई सर्वप्रथम भोजपुर विधायक सुरेंद्र पटवा, पूर्व विधायक सिलवानी रामपाल सिंह ठाकुर, नवनिर्वाचित विधायक नरेंद्र शिवाजी पटेल, जिला संगठन प्रभारी सुधीर अग्रवाल का स्वागत जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा द्वारा किया गया। मंचासीन अतिथियों जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा, जिला महामंत्री रविंद्र विजयवर्गीय, रामकुमार साहू, जिला उपाध्यक्ष राकेश तोमर, वरिष्ठ नेता नरेंद्र सिंह कुशवाहा, पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल, सुरेंद्र तिवारी आदि का मंडल अध्यक्षों द्वारा फूल मालाओं से स्वागत किया गया। संबोधन से पहले राकेश तोमर द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। संगठन प्रभारी सुधीर अग्रवाल द्वारा जहां रायसेन जिले की तीन विधानसभा सीटों सहित पराजित सिलवानी विधानसभा क्षेत्र की समीक्षा की गई। श्री अग्रवाल ने कहा कि हम सिलवानी विधानसभा हारे हैं लेकिन सरकार हमारी है किसी भी कार्यकर्ता को खरोच भी आई तो हम बर्दाश्त नहीं करेंगे ललकार के साथ जवाब दिया जाएगा सिलवानी विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं के साथ तीनों विधानसभाओं के जीते हुए विधायक और सरकार उनके साथ है जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा ने कहा चारों विधानसभा क्षेत्र में संगठन के प्रति समर्पित कुछ कार्यकर्ताओं ने अनुशासनहीनता के साथ-साथ व्यक्तिगत छवि को खराब करने का प्रयास किया है ऐसे लोगों बख्सा नहीं जाएगा।उन्होंने उपस्थित भाजपा जिला पदाधिकारी मंडल अध्यक्षों, मंडल प्रभारी, युवा मोर्चा, महिला मोर्चा, किसान मोर्चा, अनुसूचित जाति मोर्चा, अनुसूचित जनजाति मोर्चा, पिछड़ा वर्ग मोर्चा, अल्पसंख्यक मोर्चा, नगर पालिका अध्यक्ष पार्षद गणों को अभी से विकसित भारत संकल्प यात्रा की तैयारी में जुटने का आवाहन किया। उदयपुरा विधानसभा के नवनिर्वाचित विधायक नरेंद्र पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि निश्चित रूप से भाजपा किस तरह से काम करती है यह कार्यकर्ताओं को समझ लेना चाहिए संगठन का जो भी निर्णय है उस पर समर्पित होकर कार्य करना ही हर कार्यकर्ता का कर्तव्य होना चाहिए। भोजपुर विधायक सुरेंद्र पटवा ने अपने संबोधन में रायसेन जिले की जीतने वाली तीनों विधानसभाओं के लिए जहां संगठन कि लोगों का आभार व्यक्त किया सिलवानी विधानसभा

के पूर्व विधायक ठा रामपाल सिंह राजपूत ने प्रस्ताव रखा की विपरीत परिस्थितियों में भी जिन कार्यकर्ताओं ने धमकियां दावों के बावजूद संगठन के प्रति निष्ठा व्यक्त करते हुए अपनी पॉलिंगो को जिताया है उनका सम्मान किया जाए। उन्होंने सिलवानी विधानसभा के समस्त कार्यकर्ताओं को अस्वस्थ किया कि हम चुनाव हारे हैं चिंता करने की जरूरत नहीं है निष्ठावान कार्यकर्ताओं को पूर्ण सम्मान मिलेगा सरकार हमारी है कार्यकर्ताओं को किसी के दबाव में आने या धमकियों से डरने की जरूरत नहीं है। बैठक का संचालन महामंत्री रविंद्र विजयवर्गीय ने किया तथा आभार प्रदर्शन नेपाल सिंह ने किया। इस दौरान भाजपा जिला पदाधिकारी, भाजपा मंडल अध्यक्ष-मंडल प्रभारी, युवा मोर्चा, महिला मोर्चा, किसान मोर्चा, अनुसूचित जाति मोर्चा, अनुसूचित जनजाति मोर्चा पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला अध्यक्ष, जिला पंचायत सदस्य, जनपद अध्यक्ष, नगर पालिका अध्यक्ष, नगर परिषद अध्यक्ष , मीडिया प्रभारी हरि साहू विशेष रूप से उपस्थित रहें।

अतिरिक्त क्षेत्रित परिवहन कार्यालय धार

क्रं. Q दिनांक.....

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वाहन स्वाामी श्री कमला बाई पति श्री राधेश्याम यादव पता सदर बाजार नालछा वाहन क्रमांक MPII-D 1860 मेक मॉडल 1998 की मृत्यु उपरांत मृत्यु प्रमाण पत्र फार्म नं. 31 पर पत्नी, पिता, माता पुत्र श्री नन्हराम यादव पिता स्व. श्री राधेश्याम यादव द्वारा उक्त वाहन को नामांतरण हेतु कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया है।

इस संदर्भ में किसी प्रकार की दावा आपत्ति हो तो इस कर्यालय में वैध दस्तावेज के साथ उपस्थित होकर अपना पक्ष रखे।

अतिरिक्त क्षेत्रिय परिवहन अधिकारी
धार म.प्र.

कार्यालय नगर पालिका परिषद इटारसी, जिला नर्मदपुरम् (म.प्र.)

पत्र क्रमांक Q / रा.शा.वि./न.पा.ई./2023 इटारसी, दिनांक 12.12.2023

आम सूचना

आम नागरिकों को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका इटारसी से प्रिय दर्शनीय नगर कालोनी इटारसी भवन ई.डब्ल्यू.एस. नं. 134 को जो कि श्री कलैश पटैल आत्मज श्री नंद किशोर पटेल प्रिय दर्शनीय नगर कालोनी इटारसी नगर पालिका अभिलेखों में दर्ज है, श्री वीरेन्द्र सिंह साध आत्मज श्री नन्द किशोर साध अपने नाम पर नामांतरण कराना चहाते हैं। उक्त भवन के नामांतरण होने में किसी को कोई आपत्ति है तो इश्तहार प्रकाशन सूचना से 15 पन्द्रह दिवस के भीतर संपूर्ण रिकार्ड एवं प्रमाण के साथ अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय नगर पालिका परिषद इटारसी के समक्ष में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकते है। यदि पन्द्रह दिवस के भीतर किसी की कोई आपत्ति दर्ज नहीं होती है तो तत्पश्चात किसी की किसी भी तरह की कोई आपत्ति मान्य नहीं की जाएगीं।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद इटारसी

संसद के दोनों सदनों में शहीदों को श्रद्धांजलि

मोदी-शाह, खड़गे और सोनिया मौजूद रहे, पीएम शहीदों के परिवार से भी मिले

नई दिल्ली। 13 दिसंबर 2001 को संसद पर हुए आतंकी हमले को आज 22 साल हो गए हैं। संसद के शीतकालीन सत्र के आज आठवें दिन (13 दिसंबर) की कार्यवाही शुरू होने से पहले पीएम मोदी समेत कई नेताओं और सांसदों ने हमले में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद पीएम मोदी और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शहीदों के परिवार से मुलाकात की। संसद भवन के बाहर श्रद्धांजलि स्थल पर पीएम मोदी के साथ गृहमंत्री अमित शाह, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला, बीजेपी सांसद जेपी नड्डा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सांसद सोनिया गांधी समेत कई नेता मौजूद थे।

इस दौरान पीएम मोदी ने संसद भवन पर हमले में मारे गए लोगों के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी। पीएम नरेंद्र मोदी ने संसद पर 13 दिसंबर 2001 को हुए हमलों के शहीदों को श्रद्धांजलि दी। संसद परिसर में लोकसभा की कार्यवाही में भाग लेने से पहले जम्मू-कश्मीर से निर्वाचित वयोवृद्ध सांसद फारूक अब्दुल्ला ने संविधान के अनुच्छेद 370 से जुड़े एक सवाल पर कहा, भारत के 75 साल के इतिहास में किसी राज्य को केंद्र शासित प्रदेश के रूप में नहीं बदला गया। उन्होंने कहा कि केंद्र शासित प्रदेशों (ञ) को राज्य का दर्जा देने की घटनाएं कई बार हुई हैं, लेकिन जम्मू कश्मीर बीते चार साल से अधिक समय से केंद्र शासित प्रदेश क्यों है? पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल क्यों नहीं किया जा रहा है? सरकार को इसका जवाब देना चाहिए। बता दें कि इससे पहले भी एक बयान में पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला केंद्र सरकार के रवैये को लेकर नाराजगी का इजहार कर चुके हैं।

संसद के शीतकालीन सत्र में दूसरे देश में भारतीयों पर कार्रवाई के मुद्दे की गूंज भी सुनाई दी। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कतर में पूर्व नौसेना कर्मियों को मौत की सजा सुनाए जाने के मामले पर चर्चा की मांग की। लोकसभा में कार्यस्थगन प्रस्ताव का नोटिस देते हुए कांग्रेस सांसद ने कहा पूर्व नौसैनिकों की वर्तमान स्थिति और उन्हें भारत वापस लाने के लिए उठाए गए कदमों पर चर्चा की मांग की।

जनगणना में जानबूझकर देरी कर रही सरकार, लोकसभा में चर्चा की मांग

एक अन्य कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने भी लोकसभा महासचिव के पास कार्यस्थगन प्रस्ताव दिया। उन्होंने जनगणना शुरू करने में केंद्र सरकार की तरफ से असामान्य और जानबूझकर देरी किए जाने का आरोप लगाया। मणिकम टैगोर ने जनगणना के मुद्दे पर चर्चा के बाद सरकार को तत्काल जनगणना प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश देने की मांग भी की।

निवृत्तमान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से उपमुख्यमंत्री नियुक्त राजेंद्र शुक्ल ने सौजन्य भेंट की।

नवनियुक्त उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर से उनके आवास जाकर सौजन्य भेंट की।

नवनियुक्त उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने रीति पाठक से मुलाक़ात की।

फोटो मीटर रीडिंग में लापरवाही, 18 आउटसोर्स मीटर वाचकों की सेवाएं समाप्त,127 का वेतन काटा

मीटर रीडरों पर निगरानी रखने एवं सख्त कार्यवाही के निर्देश

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने नवंबर माह में उपभोक्ताओं की मीटर रीडिंग में लापरवाही बरतने के आरोप में सेवा प्रदाता कंपनी के माध्यम से कंपनी कार्यक्षेत्र में कार्यरत 18 मीटर वाचकों को ड्यूटी से पृथक करने के साथ ही 127 मीटर वाचकों का वेतन काटा गया है। इसी प्रकार 78 मीटर वाचकों को कार्य में लापरवाही बरतने के चलते चेतावनी जारी की गई है। कंपनी कार्यक्षेत्र के अंतर्गत भोपाल में 6, ग्वालियर में 5, भिण्ड, अशोक नगर, नर्मदापुरम, दतिया, शिवपुरी, बैतुल एवं राजगढ़ में 1-1 आउटसोर्स मीटर वाचक को आदेशों की अव्हेलना और मीटर वाचन में गड़बड़ी के आरोप में सेवा से पृथक कर दिया गया है।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री गणेश शंकर मिश्रा ने मैदानी अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि उपभोक्ताओं के परिसर पर एक्युरेसी (शुद्धता) के साथ मीटर वाचन होना चाहिए और मीटर रीडिंग के आधार पर ही उपभोक्ताओं को विद्युत देयक दिए जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि मीटर वाचकों के कार्य पर निष्ठा एप के द्वारा निगरानी रखी जाए और जो मीटर वाचक कर्तव्य पालन में लापरवाही बरत रहे हैं, उन्हें सेवा से पृथक किया जाए। प्रबंध संचालक ने कहा कि उपभोक्ता सेवा सर्वोपरि है। उपभोक्ताओं को कंपनी बेहतर से बेहतर सेवाएं देने के लिए कृत संकल्पित है और इसी दिशा में काम किया जा रहा है। उन्होंने उपभोक्ताओं को जागरूक रहने के लिए कहा है कि जब उनके परिसर की मीटर रीडिंग होती है तो वे मीटर वाचक द्वारा ली गई रीडिंग और मीटर में दर्ज रीडिंग पर नजर रखें ताकि सही देयक मिल सके। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी का प्रयास हैं कि बिलिंग संबंधी शिकायतों को शून्य लेवल पर लाया जाए। कंपनी के प्रबंध संचालक श्री गणेश शंकर मिश्रा ने कहा है कि फोटो मीटर रीडिंग निष्ठा एप के माध्यम से की जा रही है। दरअसल फोटो मीटर रीडिंग ऐसी प्रक्रिया है जिसमें मानवीय हस्तक्षेप बिल्कुल नहीं है और मीटर वाचन में अंकित वाचन की फोटो खींचकर सिस्टम में अपलोड की जाती है। मीटर वाचकों पर कड़ी निगरानी और लापरवाही बरतने वाले मीटर वाचकों को सेवा से मुक्त किये जाने की कार्यवाही के कारण उपभोक्ताओं को काफी राहत मिली है। कुछ शहरों में क्यूआर कोड लगाने के कारण भी फायदा मिला है एवं इससे मीटर वाचन की प्रक्रिया जल्दी संपादित हो रही है।

भोपाल। मध्य प्रदेश की नवनिर्वाचित भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भोपाल पहुंचे। नवनियुक्त मुख्यमंत्री मोहन यादव के साथ माननीय गोविंद सिंह राजपूत एवं तुलसी सिलावट ने पुष्प देकर स्वागत किया।

पुराने चेहरे नहीं बने तो, लागू हो सकता है गुजरात फॉर्मूला

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मोहन यादव के मुख्यमंत्री चुने जाने के बाद अब मंत्रिमंडल को लेकर बड़े-बड़े दावेदारों की धड़कनें बढ़ गई है। मंत्रिमंडल में भी दिल्ली के दखल होने की संभावना को देखते हुए, यह माना जा रहा है कि इस बार अप्रत्याशित नाम मंत्रिमंडल के लिए सामने आ सकते हैं। इसके चलते कई ऐसे विधायकों को मंत्री पद मिल सकता है, जिन्हें फिलहाल मंत्री बनने की उम्मीद नहीं हैं, वहीं कुछ ऐसे विधायक और पूर्व मंत्री जिन्हें मंत्री बनने की पहले तक उम्मीद थी, लेकिन सोमवार को विधायक दल के नेता का चयन के बाद इन्हें भी मंत्रिमंडल में शामिल होने को लेकर संशय बना हुआ है।

प्रदेश में यदि गुजरात फार्मूला लागू हुआ तो पुराने सभी मंत्रियों को ड्राप किया जा सकता है। ऐसे में इनमें से कुछ चेहरों को मंत्री बनने का मौका मिल सकता है। ये सभी विधायक दो से चार बार तक

निर्वाचित हो चुके हैं, लेकिन मंत्रिमंडल से अब तक दूर रहे हैं। जिन नए चेहरों को मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है उनमें नरेंद्र सिंह कुशवाह, पन्ना लाल शाक्य, प्रदीप लारिया, शैलेंद्र जैन, हरिशंकर खटीक, , उमादेवी खटीक, रीति पाठक, कुंवर सिंह टेकाम अजजा, मनीषा सिंह अजजा, जयसिंह मरावी अजजा, अशोक रोहाणी, संपतिया उईके अजजा, उदय प्रताप सिंह , डॉ. योगेश पंडाग्रे, हेमंत खंडेलवाल, विजय पाल सिंह, ठाकुर दास नागवंशी, विष्णु खत्री, रामेश्वर शर्मा, कुष्णा गौर, मोहन शर्मा, हजारीलाल दांगी, अरुण भीमावत, राजेश सोनकर, आशीष शर्मा, मंजू दादू, रमेश मेंदोला, चिंतामणि मालवीय, दिलीप सिंह परिहार के नाम बताए जा रहे हैं।

वहीं सिंधिया समर्थकों का क्या होगा: दिल्ली में इसका भी निर्णय मंगलवार को ही हो जाएगा कि सिंधिया समर्थकों में से कितनों को मंत्री पद दिया जाना है। जिसमें प्रद्युम्न सिंह तोमर, बृजेंद्र यादव, गोविंद राजपूत, प्रभुराम चौधरी, तुलसीराम सिलावट सशक्त दावेदार हैं। वहीं सागर से ज्यादा विधायक मंत्री के दावेदार होने के चलते गोविंद सिंह राजपूत और यादव मुख्यमंत्री होने के चलते बृजेंद्र सिंह यादव को ड्राप किया जा सकता है। इन सबके अलावा एंदल सिंह कंसाना को भी मंत्री बनाया जा सकता है।

इनका क्या होगा: शिवराज सिंह चौहान मंत्रिमंडल में शामिल रहे, गोपाल भार्गव, भूपेंद्र सिंह, विश्वास सारंग, ब्रजेंद्र प्रताप सिंह, मीना सिंह, इंदर सिंह परमार, विजय शाह, उषा ठाकुर, हरदीप सिंह डंग, ओमप्रकाश सकलेचा सहित पूर्व में मंत्री रहे नारायण सिंह कुशवाह,ललिता यादव, संजय पाठक, अजय विश्नोई,ओमप्रकाश धुर्वे अजजा, सूर्यप्रकश मीणा, बालकृष्ण पाटीदार को लेकर क्या स्थिति बनेगी। इस पर सभी की नजर है।

नव नियुक्त मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वीकार किया जन-जन का अभिवादन

विंध्य कोठी और विश्राम भवन में जारी रहा बधाईयों का क्रम

भोपाल। नवनियुक्त मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को नवनिर्वाचित विधानसभा सदस्यों, पार्टी के वरिष्ठ सदस्यगण सहित जनप्रतिनिधियों, परिचितों और अनुयायियों द्वारा नए दायित्व के लिए बधाईयों का क्रम जारी रहा। उज्जैन, भोपाल सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए कार्यकर्ताओं और जनसामान्य ने विंध्य कोठी तथा प्रोफेसर कॉलोनी स्थित विश्राम भवन में गुलदस्तों और नारों के साथ उन्हें शुभकामनाएं दीं। नवनियुक्त मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उनका अभिवादन स्वीकार कर धन्यवाद दिया।

एम्स ने सीआरआरटी से बचाई जहर से प्रभावित तीन रोगियों की जान

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

एम्स भोपाल में मेडिकल इंटेंसिव केयर यूनिट (एमआईसीयू) के डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिकल स्टाफ की समर्पित टीम ने पिछले महीने में एल्युमीनियम फॉस्फाइड के जहर से प्रभावित पांच में से तीन रोगियों की सफलतापूर्वक जान बचाकर उन्हें नया जीवन प्रदान किया। एल्युमीनियम फॉस्फाइड जैसे घातक जहर से बचना लगभग नामुमकिन होता है । एम्स भोपाल ने कंटीन्यूअस रीनल रिप्लेसमेंट थेरेपी (सीआरआरटी) के द्वारा इस घातक जहर के खिलाफ लड़ाई में निर्णायक सफलता प्राप्त की है । एम्स एमआईसीयू के डॉक्टर इस बात पर जोर देते हैं कि सीआरआरटी को जितनी जल्दी हो सके शुरू करने से एल्यूमिनियम फॉस्फाइड के इलाज में अभूतपूर्व सफलता मिल सकती है। जीवित बचे लोगों में एक 17 वर्षीय महिला, एक 20 वर्षीय पुरुष और एक 44 वर्षीय व्यक्ति शामिल हैं। ये सभी मरीज जहर खाने के 12 घंटे के भीतर एम्स में इलाज के लिए लाये गए थे । इन रोगियों में गंभीर मेटाबॉलिक एसिडोसिस था, जिसका पीएच स्तर 7.0 से नीचे था और सीरम लैक्टेट का स्तर 20द्वद्वश्चद्य/रु की सीमा में था।

एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रोफेसर (डॉ.) अजय सिंह ने अथक परिश्रम और अटूट प्रयासों के लिए टीम को हार्दिक बधाई दी। डॉ. सिंह ने इस उपलब्धि के महत्व पर जोर देते हुए कहा, एल्यूमीनियम फॉस्फाइड विषाक्तता के इलाज में सफलता हमारी चिकित्सा टीम के समर्पण और विशेषज्ञता का प्रमाण है।

तेज रफ्तार वाहन ने बाइक सवारों को रौंदा, 2 युवकों की मौत

जुन्नारदेव। पेशी पर आए दो युवकों की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई हादसा उसे वक्त हुआ जब युवक पेशी करने के लिए अपने गांव मोहगांव किशन से जुन्नारदेव की तरफ जा रहे थे, इस दौरान उन्हें अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी, पुलिस ने दोनों युवक के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है वहीं मामले की जांच जारी है।

वर्षा नहीं होने की संभावना

छिंदवाड़ा। भोपाल द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान से प्राप्त जानकारी के अनुसार अगले 120 घंटो के दौरान (13 से 17 दिसम्बर) हल्के से साफ बादल रहने एवं वर्षा नही होने की संभावना है । अधिकतम तापमान 25-26 डिग्री सेन्टीग्रेट एवं न्यूनतम तापमान 11-12 डिग्री. सेन्टीग्रेट के मध्य रहने की संभावना है । अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता 88-92 प्रतिशत एवं न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता 55-60 प्रतिशत रहने की संभावना है । आने वाले दिनों में हवा पूर्व दिशा में बहने एवं 05-07 कि. मी. प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है ।

कालेज की गतिविधियों की विद्यार्थियों को दी जानकारी

छिंदवाड़ा। म0 प्र0 शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार प्रदेश के समस्त शासकीय महाविद्यालयों में सकल पंजीयन अनुपात बढ़ाने के उद्देश्य से विद्यालय के 12वीं कक्षा में अध्ययनरत छात्र व छात्राओं को शास कॉलेज में प्रवेश के लिए प्रोत्साहित करने हेतु कॉलेज चलो अभियान चलाया जा रहा है।कार्यालय क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक जबलपुर के आदेश के परिपालन में व शास0 पी0 जी0 (अग्रणी) महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 लक्ष्मीचंद के कुशलमार्गदर्शन में शा0 पी0 जी0 महाविद्यालय हिंदवाड़ा के सहायक प्राध्यापक डॉ0 सुरेन्द्र कुमार झारिया एवं डॉ0 रामचन्द्रगुजरे ने दिन सोमवार को शा0 उ0मा0 वि0 चंदनगांव, शा0 कन्या उ.मा.वि. चंदनगांव तथा शा0 उ0 मा0 वि0 लिंगा का भ्रमण कर उच्च शिक्षा विभाग में संचालित शाखन की विविध योजनाओं की जानकारी प्रवेश संबंधी मार्गदर्शन, नवीन शिक्षा नीति, रोजगार के अवसर सहित अन्य संचालित पाठ्?यक्रमों की जानकारी दी गई। इस दारौन सभी महाविद्यालय के प्राचार्य तथा शैक्षणिक स्टॉफ उपस्थित रहे!

23 दिसंबर को नि:शुल्क

मोतियाबिंद नेत्र शिविर

छिंदवाड़ा । सामाजिक संस्था संकल्प वेलफेयर सोसाइटी के तत्वधान में आगामी 23 दिसंबर को पंडित नेहरू हायर सेकंडरी स्कूल सुक्लुढाना मालधक्का में निशुल्क मोतियाबिंद जांच एवं ऑपरेशन शिविर के साथ स्वास्थ्य, दंत शिविर का आयोजन प्रात: 10:30 बजे से दोपहर 3 बजे तक किया जा रहा है उक्त आयोजन के लिए आज पंडित नेहरू स्कूल में एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें सभी ने अपने अपने विचार एवं कार्यक्रम को सुव्यवस्थित करने हेतु चर्चा की अखिलेश चौहान एवम संदीप अग्निहोत्री ने कहा कि हम इस सेवा कैंप में मोतियाबिंद के मरीजों को अधिक से अधिक ढूंढे ताकि उनका नि:शुल्क आपरेशन हो सके कैंप में दंत एवम स्वास्थ्य परीक्षण करने भी लोगों ने सुझाव दिए बैठक में संस्था के मार्गदर्शक विनोद तिवारी, डा.चंद्रकांत विश्वकर्मा, योगेश पटेल, श्यामलराव, श्रीमती रिंकी चौरसिया, डा डी एस चौरे, भारती जैन, मनीष तिवारी, स्माइल खान, नीतू बोपचे, अखिलेश चौहान, डा. मीरा पराड़कर, डा शबाना यासमीन, डा पवन नेमा आदि सदस्य उपस्थित रहे समापन में आभार डा चौरे ने व्यक्त किया ।

प्रधान आरक्षक के हत्यारों को आजीवन कारावास की सजा

न्यायालय ने पांच पांच हजार के अर्थदंड से भी दंडित किया

छिंदवाड़ा। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, चौरई के द्वारा थाना चौरई के अपराध क्रमांक 627/2021 एवं सत्र प्रकरण क्रमांक 24/2021 के आरोपीगण राहुल नेमा, मोनू ठाकुर एवं अतुल चौरसिया को धारा 304 भादवि में दोषसिद्ध करते हुए प्रत्येक आरोपी को आजीवन कारावास की सजा एवं 5000-5000 रू अर्थदंड एवं आरोपी राहुल नेमा, मोनू ठाकुर, अतुल चौरसिया, सचिन शर्मा एवं सानू कहार प्रत्येक आरोपी को धारा 201 भादवि में 3-3 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 2000-2000 रू अर्थदंड की सजा सुनाई। अभियोजन की ओर से गोपाल कृष्ण हलदार डीडीपी एवं समीर पाठक डीपीओ के मार्गदर्शन में सहायक जिला अभियोजन अधिकारी (विशेष लोक अभियोजक) प्रवीण कुमार मर्सकोले एवं कुलदीप सिंह बैस ने मध्य प्रदेश राज्य की ओर से पैरवी की। घटना के संबंध में जानकारी देते हुए सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी कुलदीप सिंह बैस ने बताया कि दिनांक 23/09/2021 को प्रार्थी जिले सिंह बघेल ने थाना चांद में मौखिक रिपोर्ट लेख कराया कि उनका छोटा भाई विजय सिंह बघेल जो थाना चांद में प्रधान आरक्षक के पद पर पदस्थ है दिनांक 21/09/2021 से लापता है। थाना चांद में गु.इ.क्र. 24/21 कायम किया गया एवं कॉल डिटेल टावर लोकेशन के आधार पर संदेही सिवनी निवासी आरोपी राहुल नेमा से साक्षियों के समक्ष पूछताछ की गई जिसके द्वारा बताया गया कि विजय बघेल से 12 लाख रूपये उधार लिया था, विजय बार-बार पैसे मांग रहा था जिससे छुटकारा पाने के लिए राहुल नेमा और उसके साथी मोनू ठाकुर, अतुल चौरसिया, सचिन शर्मा एवं शानू कहार के साथ विजय की हत्या करने की षडयंत्र पूर्वक योजना बनाये और राहुल नेमा ने चौरई स्थित आफिस में बैठकर विजय बघेल को फोन कर बुलाया जो विजय बघेल वर्दी पहनी हालत में राहुल नेमा के आफिस पहुंचा और राहुल ने ऑफिस के अंदर कुर्सी में विजय को सामने बैठाकर बातों में लगा लिया, योजना अनुसार हत्या करने की नियत से मोनू ठाकुर ने विजय को पीछे सिर में लोहे की रॉड मारा जिससे विजय गिर गया, फिर राहुल और अतुल ने भी लोहे की रॉड से विजय को सिर में मारा जिससे विजय फर्श में नीचे गिर गया, उसके बाद विजय के हाथ-पैर बांधे और घसीट कर दूसरे कमरे में ले जाकर रख दिए कमरे में खून ही खून हो गया और कमरा बंद कर दिए अंधेरा होने पर विजय की लाश को फ्लेक्स में लपेटकर कार क्रमांक रख22द्द6086 की डिक्की में डाल दिये और योजना अनुसार मोनू ने विजय की मोटर साईकिल, मोबाइल एवं बैग लेकर छिन्दवाडा तरफ ले गया। बैग को पेंच नदी में फेंक दिया और मोटर साइकिल को उत्सव रिसोर्ट के पास खडा कर दिया और मोबाइल फोन को उत्सव रिसोर्ट छिंदवाड़ा के पास झाडियों में फेंक दिया, अतुल चौरसिया, सचिन शर्मा एवं सानू कहार ने कमरा धोकर साफ कर दिया और राहुल नेमा ने कार को लेकर सिवनी की ओर निकल गया रास्ते में लखनवाडा के आगे मोनू आकर मिला और राहुल ने अपने साथ में मोनू ठाकुर को भी कार में बैठा लिया और दोनों ग्राम बम्होडी विस्लेरी फैक्ट्री के सामने खेत में तहसील बरघाट जिला सिवनी पहुंचे, जेसीबी वाले को फोन लगाएं और उन्हें बताएं कि कल से पितर चालू हो रहे हैं, प्लाट काटना है टोटका का सामान गडाने के लिए गड्ढा खोदना है जो जेसीबी वाले आए और गड्ढा खोद दिए राहुल और मोनू ठाकुर ने बोले की पूजा का सामान हमें अकेले गड़ाना है कहकर जेसीबी वाले को लाइट बंद करके दूर भेज दिए, इसके बाद राहुल और मोनू ठाकुर ने कार की डिक्की से विजय की लाश को फ्लेक्स लपेटे हुए को गड्ढे में डाल दिये और ऊपर से मुरम पूर दिए जब लाश ढक गई तो जेसीबी वाले को बुलाकर बिना जेसीबी की लाइट जलाए गड्ढा पूरने के लिए कहे जो जेसीबी वाले ने गड्ढा पूरा पूर दिया फिर जेसीबी वाला वहां से चला गया। राहुल नेमा एवं मोनू ठाकुर की निशानदेही में शव उत्खनन कराया गया जो विजय बघेल का शव गड्ढे से जो फ्लेक्स से लपटा हुआ पाया गया। विजय की हत्या करने संबंधी रिपोर्ट पर मर्ग एवं अपराध क्र. 627/2021 धारा 302,201,120 बी भादवि का पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया। अनुसंधान उपरांत उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर आरोपी राहुल पिता संतोष नेमा उम्र 33 साल निवासी एकता कालोनी सिवनी ,मोनू पिता पेशया ठाकुर उम्र 25 साल निवासी बारापत्थर सिवनी , अतुल पिता सतीश चौ?रसिया उम्र 23 साल निवासी झंडा मोहल्ला चौरई, सचिन पिता यशवंत शर्मा उम्र 26 साल निवासी ग्राम गुरैया थाना चौरई, सानू उर्फ दीपक पिता सुमेरी कहार उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम गुरैया थाना चौरई के विरूध्द आरोपित अपराध धारा पाये जाने से आरोपीगण के विरूध्द अभियोग पत्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया । अभियोजन की ओर से प्रस्तुत साक्ष्य एवं तर्क से सहमत होकर न्यायालय ने आरोपीगण को उपरोक्त सजा से दंडित किया।

तांनसी कोयला खदान से 425 कर्मचारियों का पाथाखेड़ा तबादला

परासिया। वन एवं पर्यावरण विभाग के अनुमति नहीं मिलने और भारी घाटे के कारण पेचं क्षेत्र की महादेव पूरी तथा कान्हान क्षेत्र के मोआरी एवं तांनसी भूमिगत कोयला खदान में गत अगस्त माह से कोयले का उत्पादन बंद है प्रबंधन ने इन तीनों खदानों से कर्मचारियों का तबादला करने की योजना बनाई है। जिसमें से नागपुर मुख्यालय से कार्मिक एवं औद्योगिक संबंध विभाग ने गत 11 दिसंबर को तांनसी खदान से 445 कर्मचारियों का प्रशासनिक स्तर पर तबादला आदेश जारी कर दिया है ।इनमें से 425 कर्मचारियों का तबादला पाथा खेड़ा क्षेत्र में किया है जबकि 19 कर्मचारियों का तबादला पेंच क्षेत्र में हुआ है। एक कर्मचारी का तबादला महाराष्ट्र की वणी नार्थ क्षेत्र में किया गया है गत वर्ष 1984 में खोली गई तानसी खदान छिंदवाड़ा जिले की एकमात्र कोकिंग कोल वाली खदान है गत अगस्त माह के पूर्व इस खदान से प्रतिदिन करीब 400 टन निकलना जाता था खदान में 150 से अधिक ठेका मजदूर भी कम पर जाते थे। वर्तमान में खदान में 650 स्थाई कर्मचारी कार्यरत है। कर्मचारियों के तबादले से अब यह माना जाने लगा है। कि प्रबंधन ने इस खदान को पूरी तरह से बंद करने का मन बना लिया है ।पूर्व में इस खदान से निकलने वाला कोयला नंदन कोल वाशरी में स्थित वेकोली की एकमात्र कोल वाशरी में जाता था जहां से उच्च ताप का कोयला बनाकर स्टील प्लांट को भेजा जाता था ।लेकिन 5 वर्ष पूर्व कोल वाशरी के बंद हो जाने के कारण पूरा कोयला प्राइवेट पार्टी को बेचा जा रहा था इस खदान के बंद होने से कन्हान क्षेत्र उजडने की कगार पर पहुंच जाएगा क्योंकि दमुआ में सभी खदाने बंद हो चुकी है। तानसी के बंद होने से दमुआ और आसपास के क्षेत्र के व्यापार पर काफी बुरा असर पड़ेगा इसी तारतम्य में पिछले दिनों अंबाडा की मुआरी खदान से 252 कर्मचारियों का तबादला अंबाडा उप क्षेत्र में खोली गई नई कोयला खदान शारदा परियोजना में किया गया है ।जिससे ऐसा लगता है की मोआरी खदान को भी बंद करने का प्रबंधन ने निर्णय लिया है। वही पेच क्षेत्र की महादेव पूरी खदान को चालू रखने के लिए विधानसभा चुनाव के पूर्व प्रदेश के वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने एक माह के भीतर विभाग से अनुमति दिलाने की बात कही थी ।

राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2023 के लिये बनाया गया परीक्षा कंट्रोल रूम

छिन्दवाड़ा। म.प्र.लोक सेवा आयोग द्वारा आगामी 17 दिसंबर 2023 को राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2023 का आयोजन किया गया है । जिला मुख्यालय और अनुविभाग के 16 परीक्षा केन्द्रों में यह परीक्षा दो सत्रों प्रातः 10 से दोपहर 12 बजे तक और दोपहर 2:15 से शाम 4¬15 बजे तक आयोजित होगी जिसमें जिले के 6 हजार 881 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे । कलेक्टर श्री मनोज पुष्प द्वारा इस परीक्षा के लिये कलेक्टर कार्यालय स्थित नगर दंडाधिकारी कक्ष क्रमांक-24 में परीक्षा कंट्रोल रूम बनाया गया है जिसका दूरभाष क्रमांक-07162-243403 है । इस कंट्रोल रूम में संयुक्त कलेक्टर श्री सिध्दार्थ पटेल को कंट्रोल रूम प्रभारी नियुक्त करने के साथ ही दो कर्मचारियों की ड्यूटी भी लगाई गई है जो 17 दिसंबर को प्रात¬ 8.30 बजे से परीक्षा कार्य समाप्ति तक उपस्थित रहकर कोविड-19 और परीक्षार्थियों से संबंधित जानकारी संग्रहित करेंगे ।

वैश्य महासम्मेलन वर्ष 2024 के केलेंडर विमोचन

सभी तहसीलों में भी आयोजित किए गए कैलेंडर विमोचन का कार्यक्रम

छिंदवाड़ा। वैश्य महासम्मेलन वर्ष 2024 के छिंदवाड़ा तहसील एवं छिंदवाड़ा ग्रामीण तहसील के कैलेंडर का विमोचन कार्यक्रम सुबह 10 बजे होटल छप्पन भोग रेस्टारेंट छिंदवाड़ा में वैश्य महासम्मेलन म.प्र.के प्रदेश महामंत्री विजय झांझरी के मुख्य आतिथ्य में किया गया। छिंदवाड़ा जिले की सभी तहसीलों में एक साथ जिला पदाधिकारियो की उपस्थिति में केलेंडर के विमोचन एव वितरण का कार्य प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर वैश्य महासम्मेलन विजय झांझरी, प्रभुनारायण नेमा, रमेश जाखोटिया, जेपी नेमा, नीरज भारद्वाज, नरेंद्र अग्रवाल बबलू , विशाल महेश्वरी, धर्मेंद्र साहू, अनिल सिंघई, विकास वात्सल्य, खुशाल अग्रवाल, प्रशांत सोनी, किरण सोनी , सुधा सोनी, सविता पाटनी, प्रतिमा नेमा, सोनिया नेमा, सुमन बज, पंकज पाटनी, अंकुर शाह, राजेश पांडे, अजय जैन चांद वाले, सचिन जैन कृषि विभाग, आशीष पाटौदी, डॉक्टर निश्चल जैन, विवेकराज जैन, अंकित राज जैन, मनोज बाकलीवाल, शैलेंद्र जैन हनुमानप्रसाद पोद्दार, हरीश खंडेलवाल, चैन कुमार जैन, अखिलेश नेमा, राकेश जैन, शैलेश पाटनी, आर.के. सोनी, विनोद लोहाडिया शेरु, संजय नत्थानी , सुनील जैन,शुभम साहू, अभय जैन, राजकुमार जैन, अनिल जैन, मनमोहन चांडक, राजेश सोनी, नीरज असाटी, दीपक साहू, जितेंद्र जैन, बृजेश कालपीवार, पंकज साहू, डॉ प्रिया साहू, संजय साहू , डॉ. पवन नेमा, अविनाश जैन, प्रवीण जैन, संदीप जैन, श्री राम सोनी, सचिन जैन गुरैया, गगन साहू, शैलेंद्र जैन, अजीत जैन, चेतन बज चानी, डॉली जैन, भारती जैन, सुशील साहू, रितु वात्सल्य, उषा सिंघई, श्रद्धा जैन, शारदा मनोज साहू, नीतू साहू, आरती राजेश जैन आदि उपस्थित रहे।

अमरवाड़ा में कैलेंडर का विमोचन

अमरवाड़ा। वैश्य महासम्मेलन अमरवाड़ा तहसील इकाई का मंगलवार को प्रदेश एवं जिला कार्यालय से प्राप्त निर्देश अनुसार नए साल के कैलेंडर के विमोचन कार्यक्रम अमरवाड़ा तहसील पर जेपी नेमा जिला कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती सविता पत्नी प्रभारी महिला इकाई, प्रतिमा नेमा अध्यक्ष महिला इकाई सोनिया नेमा तहसील प्रभारी देवेंद्र कुमार, नवीन कुमार जैन ,अरुण नेमा दिनेश नेमा की विशेष उपस्थिति में वैश्य महासम्मेलन कैलेंडर वर्ष 2024 का विमोचन अमरवाड़ा तहसील मुख्यालय में किया गया द्य इसी कार्यक्रम में राजा भैया जैन ने नई सदस्यता ग्रहण की द्य कार्यक्रम के पश्चात मध्य प्रदेश में 12वीं कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली वैश्य परिवार की छात्राद्यमौली नेमा के निवास पर जाकर तथा अन्य चार परिवारों में अतिथियों ने प्रत्यक्ष रूप से कैलेंडर भेंट किए गएद्य साथ ही वैश्य विभूति एवं प्रतिभा सम्मान समारोह (आजीवन सदस्यों)का जिला सम्मेलन दिनांक 17 दिसंबर 2023 को आयोजित कार्यक्रम का आमंत्रण पत्र भी वितरित किए गए द्य इस अवसर पर बालकृष्ण साहू, रामनारायण नेमा, सचिन (गोल्डी)नेमा, सपनेश जैन , राजा भैया जैन ,अभिषेक जैन , समकित जैन, दिनेश नेमा अभिलेश जैन नीरज जैन, सतीश(संतु साहू) नीरज नेमा, पियूष चौरसिया तथा अन्य वैश्य महासम्मेलन अमरवाड़ा के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे

न मुख्यमंत्री बने न ही मंत्री बने

चुप बैठे थे नेता फोटो शेयर कर रहे हैं

छिंदवाड़ा। विधानसभा चुनाव में जिन नेताओं ने काम नहीं किया भीतरघात किया और प्रत्याशियों को हराने के पूरे प्रयास किये वे सभी मोहन यादव के मुख्यमंत्री बनते ही सक्रिय हो गए हैं। छिंदवाड़ा-पांढुर्ना की सभी सातों सीट भाजपा हार गई हार की समीक्षा की जा रही है। भीतरघात करने वालों ने तो भीतरघात किया किन्तु जो काम कर रहे थे, उन पर आरोप लग रहे हैं कि पार्टी ने जो रूपया भेजा वह पूरी तरह खर्च नहीं किया गया नेताओं का कहना है कि रूपया यदि ईमानदारी से बट जाते तो दो तीन सीटें जीत सकते हैं। चुप बैठे नेता अपनी फोटो मुख्यमंत्री मोहन यादव के साथ शेयर कर रहे हैं। मोहन यादव उच्च शिक्षा मंत्री रहते शासकीय लॉ कालेज भवन के लोकार्पण समारोह में आए थे। नेताओं को उम्मीद नहीं थी कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बन जावेगी। उसी हिसाब से भाजपा प्रत्याशियों को निपटाने का काम किया केन्द्र एवं प्रदेश भाजपा संगठन ने पूरी कोशिश की भाजपा जीते किन्तु संगठन में समन्वय नहीं बन पाया एक भी विधायक जीतता तो मंत्री बन जाता कांग्रेस को बहुमत नहीं मिला तो कमलनाथ मुख्यमंत्री नहीं बन पाए और सभी प्रत्याशी हार गए तो भाजपा के मंत्री भी नहीं बन पाएंगे किन्तु प्रदेश में सरकार बनने से पुरानी भाजपा जाग सी गई दिखती है।

पं रमेश दुबे पहुंचे परसगांव, श्रीराम कथा का किया श्रवण

चौरई। भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष विधायक पं रमेश दुबे विधानसभा क्षेत्र के ग्राम परसगांव पहुंचे । पूर्व विधायक दुबे ने ग्राम में चल रही श्रीराम कथा का श्रवण किया ।

नये साल में पर्यटकों के लिये खोले जायेंगे देवगढ़ के होम स्टे

आसान हो जायेगा देवगढ़ किले में घूमना और गांव में रुकना

छिन्दवाड़ा। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड की ओर से जिले के देवगढ़ में बन रहे होम स्टे का निर्माण कार्य पूर्ण होने पर है। नव वर्ष के शुरुआती दिनों में यह होम स्टे पर्यटकों के लिए खोल दिये जायेंगे। होम स्टे खुल जाने से देवगढ़ घूमना और प्रकृति के बीच रात रुकना आसान हो जायेगा।जिला पुरातत्व, पर्यटन व संस्कृति परिषद के नोडल अधिकारी श्री बलराम राजपूत ने बताया कि कलेक्टर श्री मनोज पुष्प व जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री पार्थ जैसवाल के कुशल मार्गदर्शन में जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने व पर्यटकों को सुविधायें देने की गतिविधियां संचालित की जा रहीं हैं। इसी कड़ी में मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड ने जिले के विकासखंड मोहखेड़ के ग्राम देवगढ़ में 8 होम स्टे मंजूर किये थे, जिनका जुलाई माह में भूमिपूजन किया गया था। इसमें से कुछ होम स्टे बनकर तैयार हो गये हैं और यह होम स्टे नये साल के शुरुआती दिनों में खोले जायेंगे।

रैली, नुक्कड़ नाटक, प्रश्नोत्तरीय, रंगोली प्रतियोगिता से एड्स की जानकारी दी

सतपुड़ा विधि महाविद्यालय में एड्स दिवस पखवाड़ा

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति भोपाल के सहयोग से अभ्युदय लोक सेवा संस्थान लक्ष्यगत हस्तक्षप परियोजना छिंदवाड़ा द्वारा सतपुड़ा महाविद्यालय लॉ कॉलेज में विश्व एड्स दिवस पखवाड़ा के तहत रैली, नुक्कड़ नाटक, प्रश्नोत्तरीय, रंगोली प्रतियोगिता अभ्युदय लोक सेवा संस्थान टी प्रोजेक्ट प्रमुख संदीप विश्वकर्मा परियोजना प्रबंधक सुनील बंदेवार काउंसलर स्टेटिक डॉक्टर केशव झरिया, इरशाद अली, सतपुड़ा विधि महाविद्यालय प्रचार वेद प्रकाश तिवारी, सचिन वाजपेई, आनंद बाजपेई, डॉ अमृता सिरपुरकर श्रीमती प्रतिभा शक्रवार, श्रवण वंदेवार, अखिलेश पांडे, विनोद छावरे आदि उपस्थित रहे द्य रैली सतपुड़ा विधि महाविद्यालय से बस स्टैंड में नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति देते हुए परासिया रोड माता मंदिर मोहन नगर तक निकाली गई। संस्था प्रमुख संदीप विश्वकर्मा द्वारा विश्व एड्स दिवस की जानकारी हेतु है कहां की हमें इसकी जानकारी जन समुदाय तक भेजना है मध्य प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति द्वारा इस बार की थीम समुदाय को नेतृत्व करने दे बताया द्य इरशाद अली द्वारा एचआईवी एड्स और एड्स पर विस्तार पूर्वक बताया गया साथ ही समाज में व्याप्त एचआईवी के प्रति लोगों में कई तरह की भ्रांति भी है जिसको बारीकी से समझाया इसके बाद प्रतियोगिता में भाग लिए समस्त प्रतिभागी को प्रथम द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार वित्रण किया गया साथ ही प्रमाण पत्र भी दिए गए द्य कार्यक्रम में हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया जिसमें आसपास के जन समुदाय को भी शामिल किया गया द्य परियोजना प्रबंधक सुनील वंदेबार द्वारा कार्यक्रम के साथ के समापन में विधि महाविद्यालय के समस्त परिवार का आभार व्यक्त किया गया कार्यक्रम को सफल बनाने में ओ आर डब्लू सरोज भौंडे वन्दना अंबाडकर पदमा ठाकरे नीतू संडे ब जितेंद्र नायकवार का सहयोग रहा ।

प्रदेश के विकास में पूरी मदद करेंगे, मजबूती से विपक्ष की भूमिका निभायेंगे: कमलनाथ

कुछ नहीं बिगड़ा है जनता के काम दुगनी रफ्तार से होंगे: नकुलनाथ

छिन्दवाड़ा। जिले की सातों विधानसभाओं में कांग्रेस की प्रचंड विजय के पश्चात पहली दफा छिन्दवाड़ा पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ व सांसद नकुलनाथ का कांग्रेस के स्थानीय वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। पुष्पमाला और पुष्पगुच्छ भेंट कर कांग्रेसजन ने नेताद्वय की अगवानी की। शिकारपुर स्थित हेलीपैड पर आगमन उपरांत मीडिया ने प्रदेश में सीएम के चयन को लेकर किये प्रश्न के प्रत्युत्तर में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि भाजपा ने जो तय किया है वह अपनी सोच के अनुसार किया है। मैंने आज प्रदेश के मनोनीत मुख्यमंत्री मोहन यादव से भेंट कर उनसे कहा कि प्रदेश के विकास के लिये हम पूरी मदद करेंगे। विपक्ष पूरी मजबूती से अपना काम करेगा साथ ही प्रदेश के हित में जो होगा उसे निष्पक्ष तरीके से उजागर कर जनता के सामने लाया जायेगा। युवाओं के लिये रोजगार, किसानों की उपज को उचित मूल्य, अपराध मुक्त प्रदेश और जनमानस के लिये भयमुक्त वातावरण निर्मित करने के लिये हमारा संघर्ष जारी रहेगा। प्रदेश और जिले के विकास को बाधित करने वाले निर्णयों के खिलाफ विपक्ष पूरी मजबूती से खड़ा रहेगा साथ ही विरोध भी दर्ज करायेगा।

महिला कांग्रेस ने की पुष्प वर्षा

शिकारपुर स्थित हेलीपैड से लेकर नकुल-कमलनाथ के निवास तक कांग्रेस के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने कतारबद्ध होकर नेताद्वय का भव्य स्वागत किया। कमलनाथ व नकुलनाथ के निज निवास पहुंचने पर पुष्प वर्षा कर महिला कांग्रेस की नेत्रियों ने नेताद्वय का तिलक कर आत्मिक स्वागत किया। इस दौरान हमारी सरकार कमलनाथ व नकुलनाथ के गगन भेदी नारों से परिसर गुंजायमान रहा।

जनता के काम दुगनी रफ्तार से होंगे : नकुलनाथ

जिले के युवा सांसद नकुलनाथ ने इस अवसर पर अपने ओजस्वी और आत्मिक उदबोधन से सभी का मन जीत लिया। मंच सम्हालते ही उन्होंने कहा कि मेरे कांग्रेस परिवार के समस्त माननीय और प्यारे सदस्यों जुन्नारदेव की इस महत्वपूर्ण जीत के लिये आप सभी का हृदय की गहराईयों से धन्यवाद। प्रदेश के नतीजों के बाद पहली सभा जुन्नारदेव में हो रही है वो इसीलिये कि हम भी आपको विश्वास दिलाते हैं कि हम आप पर कितना भरोसा करते हैं। युवा कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाते हुये सांसद नकुलनाथ ने कहा कि मुझे बताया गया है कि प्रदेश के परिणामों के बाद हमारे युवा साथी कुछ निराश है, कुछ उदास है तो मैं उन्हें कहना चाहूंगा कि पिछले 40 साल से कमलनाथ आपके सांसद रहे, पिछले साढ़े चार सालों से मैं आपका सांसद हूं इसीलिये किसी तरह की कोई भी चिन्ता करने की आवश्यकता नहीं कुछ नहीं बिगड़ा है जनता के काम उसी रफ्तार से होंगे

अनुकंपा नियुक्ति दिलाने, सीमाकंन व बंटवारा करने की मांग

कलेक्ट्रेट में सुनी गई 62 आवेदकों की समस्याएं

छिन्दवाड़ा। विधानसभा निर्वाचन के अंतर्गत आदर्श आचार संहिता समाप्त होते ही शासन की विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन प्रारंभ हो गया है । इसी परिप्रेक्ष्य में राज्य शासन का जनसुनवाई कार्यक्रम भी पुन¬प्रारंभ हो गया है जिसके अंतर्गत प्रति सप्ताह मंगलवार को आम नागरिकों की समस्याओं की सुनवाई की जाती है और संबंधित विभाग के अधिकारियों से इन समस्याओं का त्वरित निराकरण कराया जाता है । कलेक्टर मनोज पुष्प के मार्गनिर्देशन में अतिरिक्त कलेक्टर श्री के.सी.बोपचे ने आज जनसुनवाई कार्यक्रम के अंतर्गत कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में 62 आवेदकों की समस्यायें सुनी । इस दौरान जिले के शहरी और ग्रामीण, दूरस्थ अंचलों से आये आवेदकों ने सामूहिक और व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी समस्याओं के निराकरण के लिये आवेदन प्रस्तुत किये । आज जनसुनवाई में मुख्य रूप से अनुकंपा नियुक्ति दिलाने, सीमाकंन व बंटवारा करने, आवासीय पट्टा प्रदाय करने, अवैध कब्जा हटाने, मजदूरी की राशि दिलाने, संबल योजना के अंतर्गत आर्थिक सहायता दिलाने आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुये। जनसुनवाई के दौरान आवेदकों के बैठने की व्यवस्था भी की गई थी।अतिरिक्त कलेक्टर बोपचे ने विभिन्न आवेदनों में तत्काल प्रकरण नोट कराते हुए तत्परता के साथ निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। उन्होंने कई प्रकरणों को समय सीमा की बैठक में समीक्षा के लिये भी चिन्हांकित किया। जनसुनवाई कार्यक्रम में ग्राम कचरिया के श्री बलदेव सूर्यवंशी ने किसान सम्मान निधि की राशि दिलाने, तामिया के अरूण साहू ने आधार कार्ड में सुधार कराने, चौरई के त्रिभुवन बेलवंशी ने राशन कार्ड में परिवार के अन्य लोगों का नाम जोड़ने, ग्राम कारेआम रातेड़ के ग्रामवासियों ने कोलूखेड़ा ढाना में बिजली कनेक्शन कराने, ग्राम सांवरी के मुरारी ने रजिस्ट्री के अनुसार नामांतरण कर भूमि का कब्जा दिलाने, ग्राम सावरवानी की श्रीमती संध्याबाई साईलवार ने अनुकंपा नियुक्ति दिलाने, ग्राम अंडोल के श्री दीपक डेहरिया ने आर्थिक सहायता राशि दिलाने, ग्राम मरकाढाना की रंजीता भलावी ने पति की अज्ञात वाहन से दुर्घटना में मृत्यु होने पर सहायता राशि दिलाने, ग्राम पनारा के रितेश बन ने ठेकेदार से मजदूरी की राशि दिलाने, ग्राम बिजोरीगुमाई के शिशुपालशाह मर्सकोले ने एनपीएस की कटौती राशि खाते में जमा करने, छिंदवाड़ा नगर के वार्ड क्रमांक-35 की सुश्री शशि कराडे ने श्रमिक कार्ड बनाने, ग्राम कोसमी की श्रीमती सुनीता बावरिया ने पति की मृत्यु पर संबल योजना के अंतर्गत आर्थिक सहायता दिलाने आदि के आवेदन प्रस्तुत किये।

मध्यप्रदेश शासन

एमपी के मन में मोदी

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

जन-जन का आभार

आपने चुनी डबल इंजन सरकार

मध्यप्रदेश की नवनिर्वाचित सरकार का

शपथ ग्रहण समारोह

डॉ. मोहन यादव
नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री

13 दिसम्बर, 2023
पूर्वाह्न 11:30 बजे

मोतीलाल नेहरू स्टेडियम, भोपाल

D-11153/23

सीधा प्रसारण DDMP @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2023